■ चैत्र शुक्ल - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 246 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 05-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 एक क्लिक पर मिलेगी जीपीएफ और राज्य बीमा खातों की जानकारी

6 गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

7 दुर्गा की भूमिका के लिए पूजा गोर ने की खास तैयारी

फर्स्ट टेक

चीन का पलटवार, अमेरिकी वस्तुओं पर लगाएगा 34 प्रतिशत शुल्क

बीजिंग/भाषा। चीन ने शुक्रवार को अमेरिका पर पलटवार करते हुए वहां से आयातित सभी उत्पादों पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का फैसला किया। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन से निर्यात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने के फैसले के जवाब में किया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ये शुल्क 10 अप्रैल से अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए जाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा व्यापारिक साझेदारों पर जवाबी 'शुल्क' लगाए जाने के बाद चीन ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज करायी है।

यूक्रेन में रूसी हमले में 12 लोगों की मौत, 50 लोग घायल

ब्रसेल्स/एपी। यूक्रेन के केंद्रीय शहर क्रीवी रीह पर शुक्रवार को रूसी मिसाइल हमले में दो बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गयी जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। द्निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के प्रमुख सेरही लिसाक ने रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमले को 'नागरिकों के विरुद्ध' युद्ध करार दिया। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी और यूरोपीय अधिकारी रूस पर संघर्ष विराम स्वीकार करने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

निजी उड़ान के बाद चार अंतरिक्ष पर्यटक पृथ्वी पर लौटे

केप केनवरल (अमेरिका)/एपी। उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की परिक्रमा करने वाले चार अंतरिक्ष पर्यटक शुक्रवार को पृथ्वी पर लौट आए तथा निजी तौर पर वित्तपोषित इस यात्रा को समाप्त करते हुए प्रशांत महासागर में उतरे। बिटकॉइन निवेशक चुन वांग ने अपने और तीन अन्य लोगों के लिए स्पेसएक्स के 'ड्रैगन कैप्सूल' की उड़ान किराए पर ली थी। वांग ने यह बताने से इनकार कर दिया कि उन्होंने साढ़े तीन दिन की यात्रा के लिए कितना भुगतान किया। सोमवार रात नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुए यह चार यात्री दक्षिणी कैलिफोर्निया तट पर वापस लौटे। यह ध्रुवों के ऊपर से दुनिया का चक्कर लगाने वाला पहला मानव अंतरिक्ष यान था।

05-04-2025 सूर्यास्त 6:20 बजे | 06-04-2025 सूर्योदय 6:01 बजे

BSE	NSE
75,364.69	22,904.45
(-930.67)	(-345.65)

सोना	चांदी
9,244 रु.	110,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्मावलोकन

अपनी जड़ताओं को,
ऊँची टाँक कर तो देखो।
भीतर की गंदगी को,
थोड़ा ढाँक कर तो देखो।
अपनी कमजोरी को,
जरा आँक कर तो देखो।
बस एक बार गिरेबां में,
अपने झाँक कर तो देखो।।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में

व्यापार संबंध सुधारने और आपदा राहत कार्यों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैंकॉक/एपी। बंगाल की खाड़ी के निकटवर्ती देशों के नेताओं ने शुक्रवार को बैंकॉक में शिखर सम्मेलन के समापन पर व्यापार और परिवहन सहयोग में सुधार लाने का संकल्प लिया। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने कहा कि बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय और तकनीकी सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) शिखर सम्मेलन में शामिल सात देशों ने म्यांमार और थाईलैंड में पिछले सप्ताह आए भूकंप में 3,000 से अधिक लोगों की मौत के मद्देनजर प्राकृतिक आपदा राहत कार्यों को और बेहतर बनाने पर सहमति जताई।

शिखर सम्मेलन की अध्यक्ष शिनवात्रा ने कहा कि नेताओं ने भूकंप से संबंधित एक संयुक्त बयान में संवेदना, एकजुटता और प्रभावित देशों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग की उपस्थिति के कारण ये बैठकें विवादों में रहीं, जिन्हें 2021 में सत्ता संभालने और उसके बाद हुए क्रूर उत्पीड़न के कारण कई देशों ने दरकिनार कर दिया है। उन्हें म्यांमार की सदस्यता वाले एक अन्य संगठन दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ की बैठक में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई है। उनके विरोधियों ने बिम्सटेक से उनके साथ संबंध न रखने का आह्वान किया है।

बिम्सटेक में भारत, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं। वर्ष 2021 में इंडोनेशिया में एक क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लेने के बाद से यह मिन आंग ह्लाइंग की चीन, रूस और बेलारूस के अलावा किसी अन्य देश की पहली यात्रा थी। चीन, रूस और बेलारूस को म्यांमार में सैन्य सरकार का समर्थक कहा जाता है। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निकोर्नडेज बालानकुरा ने कहा कि पैतोंगटार्न ने मिन आंग ह्लाइंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, और उन्होंने भूकंप के लिए राहत कार्यों तथा सीमा सुरक्षा को लेकर सहयोग, विशेष रूप से अवैध व्यापार, नशीली पदार्थों की तस्करी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के मुद्दों पर चर्चा की।

शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य नेताओं में बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल हैं। पिछले साल तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीथा थाविसिन को न्यायालय के आदेश के तहत पद से हटा दिए जाने के बाद थाईलैंड ने सम्मेलन स्थगित कर दिया था। थाईलैंड ने अब समूह की अध्यक्षता बांग्लादेश को सौंप दी है।

मोदी ने यूनुस से की मुलाकात

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंताएं साझा कीं

बैंकॉक/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मुहम्मद यूनुस के साथ बैठक में वहां हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर भारत की चिंताओं को रेखांकित किया। मोदी ने साथ ही उम्मीद जताई कि बांग्लादेशी सरकार अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के मामलों की गहन जांच सहित उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। दोनों नेताओं ने बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और ''आर्थिक सहयोग पहल'' (बिम्सटेक) समूह के नेताओं की शिखर बैठक से इतर यह मुलाकात की। पिछले वर्ष अगस्त में बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ किये जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की बांग्लादेश के शीर्ष नेतृत्व से यह पहली मुलाकात थी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यूनुस-मोदी की बैठक के बारे में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की सुरक्षा से संबंधित भारत की चिंताओं को रेखांकित किया। मिस्री ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार के सभी मामलों की गहन जांच सहित उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। विदेश सचिव ने बताया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने यह भी आह्वान किया कि माहौल खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने एक लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत का समर्थन दोहराया।

वक्फ संशोधन विधेयक को संसद की मंजूरी एक 'ऐतिहासिक क्षण' : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक के पारित होने की सराहना की और कहा कि यह कदम सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के सामूहिक प्रयास की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए मददगार होगा जो लंबे समय से हाशिये पर हैं, जिन्हें आवाज उठाने और अवसर दोनों से वंचित रखा गया है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि दशकों से वक्फ प्रणाली पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी का पर्याय बन गई है, जिससे विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं, गरीब मुसलमानों और पसमांदा मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक का संसद के दोनों सदनों में पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के सामूहिक प्रयास की दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि संसद से पारित कानून पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे और लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करेंगे। उन्होंने कहा, हम प्रत्येक नागरिक की गरिमा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह हम एक मजबूत, अधिक समावेशी भारत का निर्माण भी कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने संसद के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया जिन्होंने संसदीय और समिति की चर्चाओं में भाग लिया, अपने दृष्टिकोण व्यक्त किए और इन कानूनों को मजबूत बनाने में योगदान दिया। उन्होंने संसदीय समिति को बहुमूल्य सुझाव भेजने वाले अनगिनत लोगों का भी विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, एक बार फिर, व्यापक बहस और संवाद का महत्व साबित हुआ है।

कृष्ण जन्मभूमि मामला:

न्यायालय ने मामले एकीकृत करने के आदेश के खिलाफ याचिका पर नोटिस जारी किए

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में हिंदू पक्ष से संबंधित सभी वाद को एकीकृत करने के इलाहबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर मस्जिद कमेटी की याचिका पर शुक्रवार को नोटिस जारी किए। उच्च न्यायालय ने पिछले साल 23 अक्टूबर को शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट की प्रबंधन समिति की एक अर्जी खारिज कर दी थी, जिसमें 11 जनवरी के अदालती आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। उक्त आदेश में, मामले में हिंदू पक्ष के सभी वाद को एक साथ जोड़ दिया गया था। पिछले वर्ष 19 मार्च को उच्चतम न्यायालय ने मस्जिद कमेटी से कहा था कि वह मामलों को जोड़ने के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करे। इसके बाद कमेटी ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने मस्जिद कमेटी के वकील, और कुछ हिंदू वादी का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की दलीलों पर गौर किया।

अभिनेता एवं फिल्म निर्माता मनोज कुमार का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देशभक्ति पर आधारित 'शहीद', 'उपकार' एवं 'पूरब और पश्चिम' जैसी लोकप्रिय फिल्मों में अभिनय के बाद भारत कुमार' के नाम से मशहूर- दिग्गज अभिनेता एवं फिल्मकार मनोज कुमार का शुक्रवार को तड़के मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। मनोज कुमार के पारिवारिक मित्र और फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कुमार पिछले कुछ समय से बीमार थे और उम्र संबंधी समस्याओं के कारण उनका कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में तड़के करीब साढ़े तीन बजे निधन हो गया। कुमार की फिल्मों ने 1960 और 1970 के दशक में 'बॉक्स ऑफिस' पर जबरदस्त सफलता हासिल की। अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और कार्यकारी निदेशक डॉ. संतोष शेट्टी ने एक बयान में कहा, वह (कुमार) पिछले कुछ सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। मनोज कुमार के बेटे कुणाल गोस्वामी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनके पिता स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से पीड़ित थे और पिछले कुछ साल से बिस्तर पर थे। उन्होंने कहा, उन्हें पीड़ा से मुक्ति मिल गई। गोस्वामी ने बताया कि उनके पिता को पिछले कुछ समय में कई बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था और हाल में उन्हें निमोनिया के कारण भर्ती कराया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मनोज कुमार को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें भारतीय सिनेमा का ''आदर्श'' बताया।

पॉक्सो मामलों की सुनवाई के लिए

तमिलनाडु सरकार 4 जिलों में विशेष अदालतें गठित करेगी : एस. रेगुपति

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु सरकार पॉक्सो अधिनियम के तहत मामलों को विशेष रूप से निपटाने के लिए 14 जिलों में एक विशेष अदालत का गठन करेगी। राज्य के कानून मंत्री एस. रेगुपति ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला न्यायाधीश के कैडर में ये अदालतें यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के तहत मामलों की सुनवाई के लिए तीन चरणों में स्थापित की जाएंगी। विधानसभा में अपने विभाग के लिए अनुदान की मांग पर बहस को समाप्त करते हुए मंत्री ने कहा कि तिरुनेलवेली जिले के वल्लियूर में एक अतिरिक्त जिला न्यायालय, नीलाकोट्टई (डिंडीगुल जिले में) और श्रीपेरंबदूर (कांचीपुरम जिले में) में एक अधीनस्थ अदालत तथा तिरुवल्लूर जिले के अवाडी और कुड्डालोर जिले के श्रीमुष्णम में एक जिला मुंसिफ-सह-न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय का गठन किया जाएगा।

सतह से हवा में मार करने वाली

मध्यम दूरी की मिसाइल के सेना संस्करण का सफल परीक्षण

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सेना ने ओडिशा के तट से डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के सेना संस्करण के सफल उड़ान-परीक्षण किये हैं।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार और शनिवार को तेज गति के हवाई लक्ष्यों के खिलाफ मिसाइल के चार ऑपरेशनल फ्लाइट-ट्रायल किए गए। मिसाइलों ने हवाई लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर उन्हें नष्ट कर दिया। परीक्षण लंबी दूरी, छोटी-दूरी, अत्यधिक ऊंचाई और कम ऊंचाई पर चार लक्ष्यों को निशाना बनाकर किये गये थे। इससे सेना की संचालन क्षमता प्रमाणित हुई है। उड़ान-परीक्षण हथियार प्रणाली के साथ किये गये। हथियार प्रणाली के प्रदर्शन को एकीकृत टेस्ट रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात रैंडर और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे रेंज इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा कैप्चर किए गए फ्लाइट डेटा के माध्यम से प्रमाणित किया गया। ये परीक्षण डीआरडीओ और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किए गए।

वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के खिलाफ सुप्रिम कोर्ट पहुंची कांग्रेस, एआईएमआईएम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की वैधता को चुनौती दी और कहा कि यह संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है। जावेद की याचिका में आरोप लगाया गया है कि विधेयक में वक्फ संपत्तियों और उनके प्रबंधन पर मनमाने प्रतिबंध लगाने के प्रावधान किये गये हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वायत्तता कमजोर होगी।

अधिवक्ता अनस तनवीर के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि विधेयक में मुस्लिम समुदाय से भेदभाव किया गया है, क्योंकि इसमें ऐसे प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो अन्य धार्मिक बंदोबस्तों में मौजूद नहीं हैं। ओवैसी की याचिका वकील लजफीर अहमद ने दायर की। राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में जबकि 95 ने विरोध में मतदान किया, जिसके बाद इसे पारित कर दिया गया। लोकसभा ने तीन अप्रैल को विधेयक को मंजूरी दे दी थी। लोकसभा में 288 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन, जबकि 232 ने विरोध किया।

बिहार के किशनगंज से लोकसभा सांसद जावेद इस विधेयक को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य रहे। उन्होंने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि विधेयक में प्रावधान है कि कोई व्यक्ति अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने के आधार पर ही वक्फ कर सकेगा। याचिका में कहा गया है, इस तरह की सीमाएं इस्लामी कानून, परंपरा के अनुसार निराधार हैं और अनुच्छेद 25 के तहत धर्म को मानने और उसका पालन करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती हैं।

जावेद की याचिका में दावा किया गया कि इन प्रतिबंधों से उन लोगों के खिलाफ भेदभाव होगा, जिन्होंने कुछ समय पहले इस्लाम धर्म अपनाया हो और अपनी संपत्ति धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए समर्पित करना चाहते हों। लिहाजा इससे संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन होता है। अनुच्छेद 15 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव के निषेध से संबंधित है।

सावरकर पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को नहीं मिली राहत, याचिका खारिज

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने विनायक दामोदर सावरकर पर कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कोई राहत देने से इनकार कर दिया है। पीठ ने गांधी की याचिका खारिज करते हुए कहा कि राहुल गांधी के पास उक्त मामले में उन्हें समन किए जाने के खिलाफ सत्र न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका दाखिल करने का विकल्प है, इसलिए फिलहाल उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने पारित किया। याचिका में राहुल गांधी ने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें सावरकर पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में उन्हें समन किया गया था।

पेटीएम के मार्च तिमाही में मुनाफे में आने की उम्मीद : सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में लाभ में आने की उम्मीद है। पेटीएम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने डिस्प्ले-सक्षम भुगतान साउंडबॉक्स की पेशकश के दौरान पीटीआई-भाषा से कहा कि लाभप्रदता का मार्ग मुख्य कारोबार और नए क्षेत्रों से संचालित होगा जहां कंपनी निवेश कर रही है। शर्मा ने कहा, मैंने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में हम इसे लाभदायक बनाना चाहते हैं और इसके लिए काम कर रहे हैं। दिसंबर तिमाही के परिणामों की घोषणा के दौरान कंपनी के प्रबंधन ने कहा था कि वह यूपीआई प्रोत्साहन को छोड़कर, मार्च, 2025 तिमाही में ईएसओपी लाभप्रदता से पहले एबिटा (कर-पूर्व लाभ) की दिशा में काम कर रही है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए, पेटीएम ने बताया था कि उसका एकीकृत घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रह गया था।

पंड्या के पांच विकेट के बावजूद लखनऊ सुपरजायंट्स ने मुंबई इंडियंस को हराया

लखनऊ/भाषा। हार्दिक पांड्या ने टी20 क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लिये और सूर्यकुमार यादव ने 67 रन की तेजतर्रार पारी खेली लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ और लखनऊ सुपरजायंट्स ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मुंबई इंडियंस को 12 रन से हरा दिया।

मुंबई के कप्तान पांड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 36 रन देकर पांच विकेट चटकाए लेकिन लखनऊ की टीम ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जीत के लिए 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी। शारदुल ठाकुर (40 रन पर एक विकेट) ने 19वें ओवर में सिर्फ सात रन देकर किफायती गेंदबाजी की जिसके बाद आवेश खान (40 रन पर एक विकेट) ने आखिरी ओवर में हार्दिक के सामने 22 रन का शानदार बचाव किया। मैच के 19वें ओवर में मुंबई की टीम ने तिलक वर्मा को रिटायर आउट करने का फैसला किया लेकिन टीम को इसका कोई फायदा नहीं हुआ। । तिलक ने 23 गेंद में 25 रन बनाये। मैच पर सबसे बड़ा प्रभाव 'प्लेयर ऑफ द मैच' दिग्वेश राठी का रहा।

राज्यसभा का 267वां सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, 119 प्रतिशत कामकाज हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी तथा सत्र के दौरान उच्च सदन में 119 प्रतिशत कामकाज हुआ।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन के 267वें सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में कहा कि इस दौरान सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुयी। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान 159 घंटे में 119 प्रतिशत कामकाज हुआ। इस सत्र में 49 निजी विधेयक पेश किए गए। उन्होंने कहा कि इस सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव और बजट पर लंबी चर्चा हुयी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा तीन दिन तक चली और इसमें 73 सदस्यों ने हिस्सा लिया। सभापति ने बताया कि बजट 2025-26 पर भी तीन दिन तक चर्चा हुई जिसमें 89 सदस्यों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही चार महत्वपूर्ण मंत्रालयों... गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, रेल मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा हुई।

धनखड़ ने कहा कि तीन अप्रैल को उच्च सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होकर अगले दिन यानी चार अप्रैल को सुबह चार बज कर दो मिनट तक चली जो अब तक की सबसे लंबी बैठक थी। सभापति ने कहा यह उच्च सदन के

इतिहास में सबसे अधिक लंबे समय तक चली कार्यवाही है। इससे लोगों तक बहुत अच्छा संदेश गया। उन्होंने कहा कि इस मैराथन बैठक के दौरान, सदन ने परिवर्तनकारी वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को मंजूरी दी जिसमें समानता और न्याय के सिद्धांतों को कायम रखते हुए वक्फ संपत्ति प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रावधान हैं। सभापति ने कहा कि यह सत्र अपनी ऐतिहासिक विधायी उपलब्धियों और एकता की भावना के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह भारत की संसदीय यात्रा में एक निर्णायक क्षण रहा और इसने याद दिलाया कि संवाद और साझा मकसद के माध्यम से क्या हासिल किया जा सकता है।

इस सत्र के दौरान सदन में वक्फ़ (संशोधन) विधेयक 2025, आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024, बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक 2024, आप्रवास एवं विदेशी विषयक विधेयक 2025, तेलक्षेत्र (विनियमन तथा विकास) संशोधन विधेयक 2024, वायुयान वस्तुओं में हित संरक्षण विधेयक 2025 तथा त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक 2025 जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। तीन अप्रैल की बैठक में, देश भर में वक्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के मकसद से लाए गए वक्फ़ (संशोधन) विधेयक 2025 को देर रात मंजूरी दी गई। उसके बाद, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की पुष्टि करने वाले सांविधिक संकल्प को पारित किया गया। हिंसाग्रस्त मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय के अनुरूप दो महीने के अंदर राष्ट्रपति शासन की पुष्टि के लिए एक सांविधिक संकल्प सदन में चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया गया और शुक्रवार तड़के करीब चार बजे इस संकल्प को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। गौरतलब है कि उच्च सदन के 267वें सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति अभिभाषण के साथ हुई थी। इस सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक चला था। दूसरा चरण 10 मार्च से शुरू हुआ था और आज संपन्न हुआ।

त्रिवेणी संगम से 1,000 बोतल गंगा जल जर्मनी भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। प्रयागराज के पवित्र त्रिवेणी संगम के जल की विदेशों में बढ़ती मांग के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि गंगा जल की 1,000 बोतलों की पहली खेप जर्मनी भेजी गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बयान में कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक यहां आयोजित महाकुंभ मेले में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। बयान में कहा गया कि त्रिवेणी के पावन जल की डुबकी से कोई छूट न जाए, इसके लिए प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अग्नि शमन विभाग की तरफ से प्रदेश के सभी 75 जिलों में त्रिवेणी का जल पहुंचाया।

प्रयागराज में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के उपायुक्त राजीव कुमार सिंह ने बताया कि जनपद के जसरा की नारी शक्ति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की तरफ से त्रिवेणी के गंगा जल की 1,000 बोतलें यहां से जर्मनी भेजी गई हैं।

उन्होंने बताया कि श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि के माध्यम से यह जल विदेश भेजा गया है। सिंह ने बताया कि महाकुंभ आयोजन के समय ही जनपद में बड़े स्तर पर त्रिवेणी के गंगा जल की पैकेजिंग की शुरुआत महिला स्वयं सहायता समूह की तरफ से की गई थी।

जसरा की नारी शक्ति महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की प्रभारी नमिता सिंह ने बताया कि महाकुंभ के आयोजन के बाद अब तक 50,000 से अधिक बोतल में पैक गंगा जल स्वयं सहायता समूह की उनकी महिलाओं द्वारा भेजा चुका है। उन्होंने बताया कि हाल ही में नागपुर के शिव शंभू ग्रुप सोसायटी को 50,000 बोतल त्रिवेणी का जल भेजा गया है। नमिता ने बताया कि 500 मिलीलीटर की बोतल में यह गंगा जल भेजा गया है, जबकि जर्मनी के लिए 250 मिलीलीटर की बोतल में गंगा जल की खेप भेजी गई।

गुरशरण कौर का सुरक्षा कवर घटा गया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर की सशस्त्र सुरक्षा घटाकर जेड' श्रेणी का कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि उनकी सुरक्षा की समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया। पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी होने के कारण उन्हें पहले शीर्ष जेड-प्लस' श्रेणी की केंद्रीय सुरक्षा दी गई थी। मनमोहन सिंह का पिछले साल 26 दिसंबर को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा कौर की सुरक्षा की हालिया समीक्षा के बाद उन्हें 'जेड' श्रेणी के तहत रखा जाना तय किया गया है, जो सुरक्षा का दूसरा सबसे बड़ा स्तर है। उन्होंने कहा कि इसके तहत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) वीआईपी सुरक्षा विंग को कौर के लिए 'जेड' श्रेणी के अनुसार कर्मियों और प्रोटोकॉल की संख्या कम करने का निर्देश दिया।

सूत्रों ने कहा कि उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के साथ-साथ उनके घर की सुरक्षा भी लगभग एक दर्जन सशस्त्र कमांडो की होगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के वर्गीकरण में बदलाव के कारण सिंह परिवार के लिए स्वीकृत दिल्ली पुलिस कर्मियों की संख्या में भी कमी आई है।

सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए विशेष सुरक्षा समूह अधिनियम में बदलाव के बाद, सिंह को 2019 में सीआरपीएफ के एडवांस्ड सेक्योरिटी लाइजन' (एएसएल) प्रोटोकॉल के साथ जेड-प्लस' कवर प्रदान किया गया था। सिंह 2004 और 2014 के बीच दो कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री रहे। केंद्रीय सुरक्षा सूची के तहत वीआईपी सुरक्षा कवर उच्चतम जेड-प्लस (एएसएल) से शुरू होकर जेड-प्लस, जेड, वाई-प्लस, वाई और एक्स तक होता है।

न्यायालय ने यासीन मलिक को भौतिक रूप से पेश होने की अनुमति नहीं दी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद 'जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट' (जेकेएलएफ) के प्रमुख यासीन मलिक को जम्मू की एक अदालत में भौतिक रूप से पेश होने की अनुमति नहीं दी लेकिन उसे कुछ मामलों में गवाहों से डिजिटल माध्यम से जिरह करने की इजाजत दे दी।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 303 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दिसंबर 2024 के केंद्र के आदेश पर गौर किया जिसमें एक साल के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से उसकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया था। पीठ ने इस निषेधाज्ञा के मद्देनजर मलिक की भौतिक उपस्थिति को अनुचित पाया।

मलिक और अन्य सह-आरोपियों के खिलाफ दो मुकदमे जम्मू-कश्मीर से दिल्ली स्थानांतरित करने के अनुरोध संबंधी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर यह फैसला सुनाया गया। इनमें से एक मामला आठ दिसंबर 1989 को तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण से जुड़ा हुआ है और दूसरा मामला 25 जनवरी 1990 को श्रीनगर में गोलीबारी में चार भारतीय वायुसेना कर्मियों की हत्या से संबंधित है। सीबीआई ने जम्मू की एक निचली अदालत के 20 सितंबर, 2022 के उस आदेश को भी चुनौती दी है जिसमें आजीवन कारावास की सजा काट रहे मलिक को अपहरण मामले में अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने के लिए अदालत के समक्ष भौतिक रूप से पेश करने का निर्देश दिया गया था। सीबीआई ने कहा कि मलिक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और उसे तिहाड़ जेल परिसर से बाहर ले जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

बजट सत्र में लोकसभा ने 16 विधेयक पारित किये, 118 प्रतिशत हुआ कामकाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा की कुल 26 बैठकें हुईं और इस दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक सहित 16 विधेयक पारित किये गए वहीं 118 प्रतिशत कामकाज हुआ। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सत्र के दौरान सदन में पारित किये गए महत्वपूर्ण विधेयकों में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के अलावा वित्त विधेयक, 2025, विनियोग विधेयक, 2025, त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025 तथा आप्रवास और विदेशियों विषयक विधेयक, 2025 शामिल हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, सत्र के दौरान कार्य उत्पादकता लगभग 118 प्रतिशत रही। कुल 26 बैठकें हुईं, जो 160 घंटे 48 मिनट तक चलीं। विज्ञप्ति के अनुसार, मछुआरा समुदाय के समक्ष आ रही कठिनाइयों' पर लाये गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा हुई। वहीं, देश में हवाई किराये को विनियमित करने के उचित उपायों' के संबंध में कांग्रेस सदस्य शफी परम्बिल द्वारा लाये गए एक निजी संकल्प पर भी चर्चा हुई, हालांकि यह पूरी नहीं हो सकी। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा का अनुमोदन करने वाले सांविधिक संकल्प को भी सत्र के दौरान पारित किया गया। बिरला ने कहा कि राष्ट्रपति (द्रौपदी मुर्मू) के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर 17 घंटे 23 मिनट चर्चा हुई और जिसमें 173 सदस्यों ने भाग लिया। मौजूदा (18वीं) लोकसभा का चौथा सत्र 31 जनवरी 2025 को शुरू हुआ था, जो शुक्रवार को संपन्न हो गया। बजट सत्र के दो चरण थे। पहला चरण 13 फरवरी को संपन्न हुआ था। वहीं, दूसरा चरण 10 मार्च को शुरू हुआ था। लोकसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार दोपहर सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी। बिरला ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा 16 घंटे 13 मिनट तक चली और इसमें 169 सदस्यों ने भाग लिया। सदन में 10 सरकारी विधेयक पुरःस्थापित किये गए और 16 विधेयक पारित किये गए। बिरला ने बताया कि तीन अप्रैल को लोक महत्व के 202 मामले उठाए गए, जो अभी तक किसी एक दिन में शून्यकाल के दौरान उठाए जाने वाले लोक महत्व के मामलों की रिकॉर्ड संख्या है। सत्र के दौरान नियम 377 के तहत कुल 566 मामले उठाए गए। विज्ञप्ति के अनुसार, लोकसभा में विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा की गई, जिसके बाद अनुदान मांगों को पारित कर दिया गया। सदन ने विनियोग विधेयक और वित्त विधेयक को भी पारित किया।

गोयल के बयान से छिड़ी बहस में जेप्टो, जोहो के मुखिया शामिल हुए, स्टार्टअप तंत्र का किया बचाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टार्टअप तंत्र के मूल्य और नवाचार पहलू पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की तरफ से उठाए गए सवाल ने शुक्रवार को कई भारतीय उद्यमियों को एकजुट करने का काम किया। त्वरित वाणिज्य मंच जेप्टो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आदित पलीचा और जोहो के संस्थापक श्रीधर वेम्बू जैसे दिग्गजों ने इस मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखी है। स्टार्टअप जगत के सबसे चर्चित चेहरों में से एक पलीचा ने नौकरियों, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में जेप्टो के योगदान का हवाला दिया और इसे भारतीय नवाचार में 'चमत्कार' करार दिया। उन्होंने प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार को आगे बढ़ाने में उपभोक्ता इंटरनेट कंपनियों की भूमिका के बारे में बताया। गोयल ने बृहस्पतिवार को भारतीय स्टार्टअप समुदाय से कहा था कि वे अपना ध्यान किराना सामान की आपूर्ति और आइसक्रीम बनाने से हटाकर सेमीकंडक्टर, मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे उच्च प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्रों पर लगाएं। वाणिज्य मंत्री ने पूछा था क्या हमें आइसक्रीम या चिप्स बनाना है?

पलीचा ने इस पर कहा कि स्टार्टअप तंत्र, सरकार और भारतीय पूंजी के बड़े पूल के मालिकों को स्थानीय चैंपियन' के निर्माण में सक्रिय रूप से समर्थन करना चाहिए और उन टीमों को पीछे नहीं हटाना चाहिए जो वहां पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। जोहो के संस्थापक वेम्बू ने केंद्रीय मंत्री के आह्वान को इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों के

लिए एक चुनौती के रूप में देखा, न कि उंगली उठाने के रूप में। वेम्बू ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, हमें ऐसे स्मार्ट इंजीनियरों की ज़रूरत है जो अपनी आस्तीन चढ़ाकर काम पूरा कर सकें। विटामिन और कैंसर के इलाज के तर्क को ध्यान में रखें - अपनी बड़ी प्रौद्योगिकी महत्वाकांक्षा के लिए भुगतान करने के तरीके को क्रमबद्ध करना इंजीनियरिंग समस्या' का एक हिस्सा है जिसे स्मार्ट इंजीनियरों को हल करना चाहिए! हम यह कर सकते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस के पूर्व सीएफओ मोहनदास पई ने गोयल की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंत्रियों से भरोसा बनाए रखने, उच्च प्रौद्योगिकी' स्टार्टअप की मदद करने और मुश्किलों को दूर करने का आग्रह किया।

उन्होंने आश्वासन दिया कि उद्योग अपने वादे पर खरा उतरेगा। पई ने कहा कि चीन से कोई तुलना सही नहीं है क्योंकि भारत में भी ऐसे स्टार्टअप हैं, हालांकि वे 'छोटे' हैं। स्टार्टअप रियल्टी कार्यक्रम शार्क टैंक इंडिया के निर्णायक मंडल में शामिल और शादी डॉट कॉम के संस्थापक अनुपम मित्तल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि वह कुछ 'उच्च प्रौद्योगिकी' कंपनियों से बहुत प्रभावित हुए हैं। मित्तल ने कहा, पिछले कुछ महीनों में मैं कुछ उच्च प्रौद्योगिकी' कंपनियों से मिला हूं जिन्होंने मुझे पूरी तरह से चौंका दिया है।

न्यू इंडिया बैंक धोखाधड़ी

पूर्व चेयरमैन हीरेन भानु और उनकी पत्नी को भगोड़ा अपराधी घोषित किया गया

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने 'न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक' के पूर्व चेयरमैन हिरेन भानु और उनकी पत्नी गौरी भानु को 122 करोड़ रुपये के गबन मामले में भगोड़ा अपराधी घोषित किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसी मजिस्ट्रेट अदालत ने पुलिस को मामले में पांच आरोपियों की 167.85 करोड़ रुपये कीमत की 21 संपत्तियों को कुर्क करने की भी अनुमति दी है, जो नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद शहर में इस तरह की पहली कार्रवाई होगी। इस संपत्ति में 150 करोड़ रुपये लागत की झुग्गी पुनर्वास परियोजना भी शामिल है। भानु दंपत्ति फरवरी में गबन का मामला सामने आने से कुछ दिन पहले ही देश छोड़कर फरार हो गए थे।

मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बैंक के पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता और पूर्व सीईओ अभिमन्यु भोन समेत अबतक आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा' को बताया, ईओडब्ल्यू ने भानु और उनकी पत्नी को भगोड़ा अपराधी घोषित करने की मांग करते हुए अदालत में एक आवेदन दिया था। अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है। उन्होंने बताया कि अदालत ने पहले दोनों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था। इस बीच, ईओडब्ल्यू ने बुधवार को पांच आरोपियों की 167.85 करोड़ रुपये की 21 संपत्तियों को कुर्क करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

तुर्किये में फंसा वर्जिन अटलांटिक का विमान मुंबई के लिए हुआ रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। तुर्किये हवाई अड्डे पर 40 घंटे से अधिक समय तक फंसे रहने के बाद भारतीयों समेत 250 से अधिक यात्रियों को लेकर वर्जिन अटलांटिक का विमान मुंबई के लिए रवाना हो गया है और शुक्रवार देर शाम विमान के मुंबई में उतरने की उम्मीद है।

बुधवार को लंदन से मुंबई आने वाले उनके विमान का दियारबाकिर हवाई अड्डे की ओर मार्ग परिवर्तित कर दिया गया था, जिसके कारण ये यात्री वहां फंस गए थे। वर्जिन अटलांटिक के प्रवक्ता ने कहा, सभी आवश्यक तकनीकी स्वीकृतियां प्राप्त हो जाने के बाद, विमान शुक्रवार चार अप्रैल को स्थानीय समयानुसार एक बजे दियारबाकिर हवाई अड्डे से रवाना हुआ। यात्री अब मुंबई के लिए रवाना हो चुके हैं तथा स्थानीय समयानुसार लगभग आठ बजकर 49 मिनट तक विमान के पहुंचने की उम्मीद है। हवाई अड्डे पर फंसे एक यात्री ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया था कि सभी यात्री फर्श पर बैठे थे और कोई कंबल उपलब्ध नहीं था।

गवर्नर मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 10 रुपये, 500 रुपये के नोट जारी करेगा आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि वह जल्द ही महात्मा गांधी (नई) शृंखला के तहत 10 और 500 रुपये के नोट जारी करेगा, जिन पर नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि इन नोटों का डिजाइन सभी तरह से महात्मा गांधी (नई) शृंखला के 10 और 500 रुपये के मौजूदा बैंक नोटों के समान है। नए नोट जारी होने के बावजूद रिजर्व बैंक द्वारा पहले जारी किए गए 10 रुपये और 500 रुपये मूल्य वर्ग के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने पिछले महीने गवर्नर मल्होत्रा द्वारा के हस्ताक्षर वाले 100 और 200 रुपये के बैंक नोट जारी करने की घोषणा की थी। मल्होत्रा ने दिसंबर, 2024 में आरबीआई गवर्नर का पद संभाला था। उन्होंने छह साल तक गवर्नर रहे शक्तिकान्त दास की जगह ली थी।

जबलपुर में पादरियों पर 'हमले' के चार दिन बाद प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर/भाषा। मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में दो कैथोलिक पादरियों पर कथित तौर पर दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं द्वारा हमला किए जाने के चार दिन बाद, पुलिस ने शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। अभी तक मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। एक दिन पहले, कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों ने कथित हमले के विरोध में लोकसभा से बहिर्गमन किया था, क्योंकि लोकसभा अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा की अनुमति नहीं दी थी।

जबलपुर के पुलिस अधीक्षक सतीश कुमार साहू ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने भारतीय न्याय संहिता के तहत मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। (घटना के वीडियो में देखे गए) लोगों की पहचान कर ली गई है।

हालांकि, अधिकारी ने मामले के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। विपक्ष ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की और दावा किया कि यह सरकार और भाजपा-संघ परिवार द्वारा अल्पसंख्यकों पर हमला करने का एक और उदाहरण है।

जबलपुर कैथोलिक डायोसिस के विकर जनरल फादर डेविस जॉर्ज और जबलपुर डायोसिस कॉर्पोरेशन के सचिव फादर जॉर्ज थॉमस पर 31 मार्च को रांझी पुलिस थाना परिसर में कथित तौर पर हमला किया गया था। डेविस जॉर्ज यहां स्थित सेंट एलॉयसियस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य हैं।

एलआईसी ने सरकार से अनुचित प्रतिस्पर्धी लाभ मिलने संबंधी यूएसटीआर रिपोर्ट खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने शुक्रवार को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि वह 25 वर्षों से प्रतिस्पर्धी बाजार में काम कर रही है और उसे सरकार से कोई भी विशेष लाभ नहीं मिला है।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने एक बयान में कहा, हमारा दृढ़ विश्वास है कि यूएसटीआर के विचार भारतीय बीमा विनियमन और एलआईसी के कामकाज की अधूरी समझ पर आधारित हैं। बयान के मुताबिक, पिछले 25 वर्षों से

एलआईसी 24 निजी जीवन बीमा कंपनियों के साथ पूरी तरह प्रतिस्पर्धी बाजार में काम कर रही है, यह इरडा एवं सेबी से विनियमित है और इसे सरकार या किसी नियामकीय प्राधिकरण से कोई विशेष लाभ नहीं मिलता है। यूएसटीआर ने एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत कृषि वस्तुओं, दवा निर्माण और मादक पेय पदार्थों जैसे कई अमेरिकी सामानों पर 'उच्च' आयात शुल्क लगाने के साथ गैर-शुल्क बाधाएं भी लगाता है। एलआईसी को सरकार से विशेष लाभ मिलता है, जिससे विदेशी बीमा कंपनियां भारतीय बाजार में अप्रतिस्पर्धी हो जाती हैं। यूएसटीआर की रिपोर्ट कहती है, कई ग्राहक निजी बीमा कंपनियों द्वारा पेश की जाने वाली पॉलिसी लेने के बजाय एलआईसी की पॉलिसी खरीदना ही पसंद करते हैं, जिससे एलआईसी को अनुचित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है। हालांकि, एलआईसी ने स्पष्ट किया कि सरकार और नियामक उसके साथ किसी भी अन्य बीमा कंपनी की तरह ही व्यवहार करते हैं। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ मोहंती ने बयान में कहा, एलआईसी संचालन, सेवा और ग्राहक विश्वास के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईडी ने 'फेमा' मामले में एम्पुरान निर्माता गोपालन की चिटफंड कंपनी पर छापा मारा

चेन्नई/नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1000 करोड़ रुपये के कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में केरल के व्यवसायी एवं फिल्म 'एल 2: एम्पुरान' के निर्माताओं में शामिल गोकुलम गोपालन की 'चिटफंड कंपनी' के परिसरों पर शुक्रवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत चेन्नई (तमिलनाडु) तथा कोच्चि (केरल) सहित विभिन्न राज्यों के पांच परिसरों में तलाशी ली जा रही है।

गोपालन और उनकी कंपनी श्री गोपालन चिट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड' के खिलाफ कुछ प्रवासी भारतीयों के साथ 1,000 करोड़ रुपये के कथित फेमा उल्लंघन और कुछ संबंधित ''अनधिकृत'' लेन-देन के संबंध में यह कार्रवाई की जा रही है। ऐसा समझा जाता है कि एजेंसी कंपनी के खिलाफ कुछ ''धोखाधड़ी'' मामलों का भी विश्लेषण कर रही है ताकि धन शोधन विरोधी कानून के तहत संभावित जांच की जा सके। यह जांच ऐसे समय में की जा रही है जब पृथ्वीराज-मोहनलाल टीम की तीन फिल्मों की श्रृंखला के तहत लूसिफर' का दूसरा भाग 'एल 2: एम्पुरान' दक्षिणपंथी राजनीति की आलोचना करने तथा गुजरात दंगों के अप्रत्यक्ष उल्लेख के कारण विवाद में रहा है। मोहनलाल ने हाल में इस विवाद पर खेद व्यक्त किया था तथा आश्वासन दिया था कि फिल्म से विवादित अंश हटा दिए जाएंगे। इस फिल्म में एक अन्य निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर ने इस महीने की शुरुआत में कोच्चि में संवाददाताओं से कहा था कि विवाद के बाद फिल्म से दो मिनट से अधिक के दृश्य हटा दिए गए हैं।

केरल में भारी बारिश, चार जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश के बाद आईएमडी ने राज्य के 14 जिलों में से चार जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़ और मलप्पुरम के लिए अलर्ट जारी किया गया। मौसम विभाग ने तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानामथिट्टा, अलपुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों में एक या दो स्थानों पर गरज के साथ मध्यम दर्जे की बारिश व 40 किमी. प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। 'ऑरेंज अलर्ट' जारी होने का मतलब बहुत भारी वर्षा हो सकती है, जो छह सेमी से 20 सेमी तक हो सकती है।

तमिलनाडु के नीट विरोधी विधेयक को मंजूरी नहीं देना 'काला अध्याय': स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से छूट की मांग करने वाले विधानसभा के प्रस्ताव को केंद्र द्वारा नामंजूर किया जाना संघवाद के लिहाज से एक काला अध्याय' है।

उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया था लेकिन इसे नामंजूर कर दिया गया। विपक्षी 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) ने नीट के मुद्दे को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की आलोचना की और सत्तारूढ़ पार्टी पर लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया। अन्नाद्रमुक ने कहा कि 'मुख्यमंत्री का नीट नाटक समाप्त हो गया है' और स्टालिन को उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की चुनौती दी।

उन्होंने विधानसभा में कहा कि नीट को समाप्त करने के लिए सरकार अपना संघर्ष जारी रखेगी। स्टालिन ने इस संबंध में नौ अप्रैल को विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक बुलाने की घोषणा की। स्टालिन ने राज्य विधानसभा को केंद्र के फैसले के बारे में सूचित करते हुए इस कदम पर निराशा व्यक्त की और कहा कि यह नामंजूरी संघवाद के लिहाज से एक काला अध्याय है। विधेयक में 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अनुमति देने का प्रस्ताव था। इस विधेयक को 2021 में तमिलनाडु विधानसभा में पारित किया गया था और राज्यपाल आरएन रवि की शुरुआती आपत्तियों के बाद अगले वर्ष इसे फिर मंजूरी दी गयी थी।

स्टालिन ने सदन को ताजा घटनाक्रम की जानकारी देते हुए केंद्र पर तमिलनाडु के लोगों की इच्छा और विधानसभा विधेयक की अवहेलना करने का आरोप लगाया। स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु सरकार द्वारा विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से सभी आवश्यक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के बावजूद, केंद्र सरकार ने नीट से छूट के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सदन को संबोधित करते हुए कहा, नीट के क्रियान्वयन के कारण गरीब और ग्रामीण छात्रों का चिकित्सक बनने का सपना पहुंच से बाहर हो गया है। इससे भविष्य में राज्य के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित होंगी।

विपक्ष के नेता और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि गुमराह करने के लिए लोग 2026 के विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को करारा जवाब देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, द्रमुक 2021 में नीट को रद्द करने का वादा करके सत्ता में आई थी। उस समय उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा था कि उन्हें नीट को रद्द करने का राज पता है। लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया। अब मुख्यमंत्री ने नीट पर सर्वदलीय बैठक की घोषणा की है। द्रमुक कब तक लोगों को गुमराह करेगी।

भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई ने कहा कि द्रमुक सरकार का 'नीट नाटक' समाप्त हो गया है और इसमें अब कोई अध्याय नहीं बचा। अन्नामलाई ने कहा कि राज्य को छूट देने संबंधी विधेयक को जब तक मंजूरी नहीं मिलती, तब तक वे (द्रमुक) राज्यपाल या राष्ट्रपति पर दोष मढ़ सकते थे लेकिन अब कुछ नहीं किया जा सकता क्योंकि राष्ट्रपति ने विधेयक को खारिज कर दिया और कहा है कि छूट मांगने के लिए दिए गए कारण स्वीकार्य नहीं थे। उन्होंने कहा कि इसलिए मुख्यमंत्री का नीट नाटक आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया है।

अन्नामलाई ने कहा,मैं उनसे एक नया नाटक शुरू करने का अनुरोध करता हूं और जिसके लिए वे एक सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे। मैं

विजय की पार्टी ने वक्फ विधेयक के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने शुक्रवार को वक्फ विधेयक के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किया और इसे वापस लेने की मांग की। टीवीके महासचिव एन. आनंद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक के खिलाफ यहां एकत्र हुए और उन्होंने आइए 'वक्फ विधेयक को खारिज करें' और 'मुसलमानों के अधिकार मत छीनो' जैसी नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि केंद्र को वक्फ संपत्तियों से संबंधित मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए और दावा किया कि केंद्र सरकार ने विधेयक पारित कर वक्फ संपत्तियों के लिए 'खतरा' पैदा कर दिया है। प्रदर्शनकारियों ने 'अल्पसंख्यकों के साथ विश्वासघात मत करो' और 'आइए हम धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करें' जैसी नारेबाजी भी की। मदुरै, कोयम्बटूर, तिरुचिरापल्ली, थूथुकुडी और तंजावुर शहरों में टीवीके ने विरोध प्रदर्शन किया। विजय ने बृहस्पतिवार को वक्फ विधेयक को लोकतंत्र विरोधी' करार दिया और इसे वापस लिए जाने की मांग की।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अगर यह मांग पूरी नहीं हुई, तो उनकी पार्टी मुसलमानों के साथ मिलकर उनके वक्फ अधिकारों के 'कानूनी संघर्ष' में शामिल होगी।

कच्चातीवु द्वीप को श्रीलंका से वापस लिया जाए : विजय

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने मछुआरों के मुद्दे पर तमिलनाडु और केंद्र की सरकारों की आलोचना करते हुए शुक्रवार को सुझाव दिया कि श्रीलंका से कच्चातीवु द्वीप को वापस लेना राज्य के मछुआरों की पीड़ा को समाप्त करने का एकमात्र स्थायी समाधान होगा।

उन्होंने कहा कि जब तक ऐसा नहीं हो जाता, कच्चातीवु को 99 साल के पट्टे पर लिया जाना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को द्वीप राष्ट्र की अपनी यात्रा के दौरान इस समझौते को अंतिम रूप देना चाहिए। विजय ने 1974 में कच्चातीवु सौंपे जाने के लिए तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की ''सत्ता की भूख'' को जिम्मेदार ठहराया। विजय ने एक बयान में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि दो अप्रैल को द्रमुक सरकार ने राज्य विधानसभा में कच्चातीवु को वापस लेने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था, जो एक ''दिखावा'' था और उसकी नजर 2026 के विधानसभा चुनाव पर थी। टीवीके संस्थापक विजय ने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर कच्चातीवु और तमिलनाडु के मछुआरों के मुद्दे पर पक्षपात करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने गुजरात समेत अन्य राज्यों के मछुआरों की रक्षा की, लेकिन तमिलनाडु के मछुआरों को छोड़ दिया। विजय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की वार्ता का उद्देश्य भारतीय मछुआरों की पीड़ा को समाप्त करना होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी श्रीलंका की तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार की शाम को राजधानी कोलंबो पहुंच गये हैं।

माकपा के सम्मेलन के लिए दुनियाभर के वामपंथी दलों ने दीं शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै/भाषा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने मदुरै में जारी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सम्मेलन के लिए भेजे गए बधाई व शुभकामना संदेश में कहा कि भारत-चीन संबंधों में सुधार से दोनों देशों और क्षेत्र के साझा हितों को लाभ होगा। माकपा की ओर से साझा किए गए एक दस्तावेज के अनुसार, दुनिया भर की 34 वामपंथी पार्टियों ने माकपा के 24वें सम्मेलन की सफलता की कामना की है, जिनमें चीन की कम्युनिस्ट पार्टी, वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया, वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी, क्यूबा की कम्युनिस्ट पार्टी, आस्ट्रेलिया की कम्युनिस्ट पार्टी, वर्कर्स पार्टी ऑफ बेल्जियम, फिलिस्तीनी पीपुल्स पार्टी के अलावा अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी के वामपंथी दल भी शामिल हैं। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ बांग्लादेश, वर्कर्स पार्टी ऑफ बांग्लादेश, कम्युनिस्ट पार्टी (यूनाइटेड सोशलिस्ट) ऑफ नेपाल, अवामी वर्कर्स पार्टी पाकिस्तान, पाकिस्तान कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीपी) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ बर्मा ने भी संदेश भेजे।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने अपने संदेश में कहा, अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य और विश्व व्यवस्था अब परिवर्तन के एक नए दौर में है। चीन-भारत संबंधों में सुधार से दोनों देशों और क्षेत्र के साझा हितों को लाभ होगा। माकपा के साथ लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बरकरार रखने का उल्लेख करते हुए सीपीसी ने कहा कि वह आदान-प्रदान और रणनीतिक संचार को मजबूत बनाने तथा माकपा और अन्य भारतीय राजनीतिक दलों के साथ अनुभव साझा करने के लिए तैयार है, ताकि चीन-भारत संबंधों की निरंतर प्रगति और क्षेत्र की शांति व स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सके। हाल में एक साक्षात्कार में माकपा के अंतरिम समन्वयक प्रकाश करात ने चीन के साथ संबंध सुधारने का समर्थन करते हुए कहा था कि इससे बहुध्रुवीय विश्व में भारत की स्थिति में सुधार होगा और (अमेरिकी राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में पेश आ रहीं चुनौतियों में संतुलन स्थापित होगा।

प्रसिद्ध अभिनेता रविकुमार का कैंसर से निधन

चेन्नई। तमिल और मलयालम फिल्मों में अपने यादगार किरदारों के लिए मशहूर अभिनेता रविकुमार का शुक्रवार को यहां कैंसर से निधन हो गया। कलाकारों के एक संगठन ने यह जानकारी दी।

नादिगर संगम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मलयालम और तमिल सिनेमा में अपने शानदार करियर के लिए मशहूर दिग्गज फिल्म अभिनेता रविकुमार का चेन्नई में कैंसर से निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे अंतिम श्वांस ली। इसमें बताया गया है कि उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। अभिनेता की उम्र करीब 70 वर्ष थी।

रविकुमार ने कई तमिल और मलयालम फिल्मों में अभिनय किया है। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में उन्होंने कई टीवी धारावाहिकों में भी अभिनय किया।

प्रधानमंत्री मोदी रामनवमी पर देश के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल का उद्घाटन करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह अप्रैल को तमिलनाडु का दौरा करेंगे और रामनवमी के मौके पर दोपहर लगभग 12 बजे भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल-नए पंबन रेल पुल का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। पीएमओ की ओर से जारी बयान के मुताबिक मोदी सड़क पुल से एक ट्रेन और एक जहाज को हरी झंडी दिखाएंगे और पुल के संचालन को देखेंगे। पुल के उद्घाटन के बाद वह रामेश्वरम में रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे।

पीएमओ ने बयान में कहा, इस पुल का सांस्कृतिक महत्व बहुत गहरा है। रामायण के अनुसार, राम सेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था। रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ने वाला यह पुल वैश्विक मंच पर भारतीय इंजीनियरिंग की उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में खड़ा है। इसे 550 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। इसकी लंबाई 2.08 किलोमीटर है, इसमें 99 स्पैन और 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है जो 17 मीटर की ऊंचाई तक उठता है। इससे निर्बाध ट्रेन संचालन सुनिश्चित करते हुए जहाजों की सुचारू आवाजाही की सुविधा मिलती है। स्टेनलेस स्टील सुदृढीकरण, उच्च श्रेणी के सुरक्षात्मक पेंट और पूरी तरह से वेल्डेड जोड़ों के साथ निर्मित इस पुल में अधिक स्थायित्व और कम रखरखाव की आवश्यकता है। इसे भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए दोहरी रेल पटरियों के लिए डिजाइन किया है। विशेष पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग इसे जंग से बचाती है, जिससे कठोर समुद्री वातावरण में पुल का लंबे समय तक टिके रहना सुनिश्चित होता है। पीएमओ के मुताबिक अपराह्न लगभग डेढ़ बजे प्रधानमंत्री राज्य में 8,300 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इन परियोजनाओं में राष्ट्रीय राजमार्ग-40 के 28 किलोमीटर लंबे वालाजापेट-रानीपेट खंड को चार लेन का बनाने के कार्य का शिलान्यास और राष्ट्रीय राजमार्ग-332 के 29 किलोमीटर लंबे विलुप्पुरम-पुदुचेरी खंड को चार लेन का बनाने का काम, राष्ट्रीय राजमार्ग-32 का 57 कि.मी. लंबा पूंडियनकुप्पम-सत्तनाथपुरम खंड और राष्ट्रीय राजमार्ग-36 का 48 किलोमीटर लंबा चोलापुरम-तंजावुर खंड शामिल हैं। ये राजमार्ग कई तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों को जोड़ेंगे, शहरों के बीच की दूरी कम करेंगे और मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बंदरगाहों तक तेज पहुंच सक्षम करेंगे। इसके अलावा ये स्थानीय किसानों को कृषि उत्पादों को नजदीकी बाजारों तक पहुंचाने और स्थानीय चमड़ा और लघु उद्योगों की आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देने में सशक्त बनाएंगे।

कानून-व्यवस्था पर चर्चा की अनुमति नहीं मिलने पर अन्नाद्रमुक विधायकों का विस से बहिर्गमन

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के सदस्यों ने कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं देने पर शुक्रवार को सदन से बहिर्गमन किया। प्रश्नकाल के तुरंत बाद नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री ई. के. पलानीस्वामी खड़े हुए और कानून-व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा उठाने की कोशिश की। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावु ने इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि इस संबंध में पार्टी के उपनेता आर. बी. उदयकुमार द्वारा दिया गया नोटिस खारिज कर दिया गया है। अप्पावु ने कहा, इसलिए, सदस्य उस मुद्दे पर नहीं बोल सकते, जिसे अस्वीकृत किया गया है। इस पर, अन्नाद्रमुक के विधायक खड़े हो गए और मांग की कि उनके नेता को बोलने की अनुमति दी जाए। लेकिन जब विधानसभा अध्यक्ष अपने फैसले पर कायम रहे तो अन्नाद्रमुक के सदस्य नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए।

REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE(RRIUM)
(A Unit of Central Council for Research in Unani Medicine)
Ministry of Ayush, Govt. of India, New Delhi

Advertisement No. 2/2025
Walk-in-Interview

Eligible candidates are invited for Walk-in-interview for the following contractual post on the date and time indicated below at the Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai.

Sl. No	Name of the Post	No. of Posts	Date & Time of Interview
1.	ASSISTANT CONSULTANT (Admin)	1.	23-04-2025 at 10.00 a.m

Complete details about the eligibility criteria, place of posting,remuneration etc., of the above mentioned contractual post may be downloaded from the Council's website's Website : ccrum.res.in / RRIUM Website : www.rriumchennai.org

पांबन ब्रिज में दिखती है देश की बुलंदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

के. अन्नामलाई
अध्यक्ष, भाजपा तमिलनाडु
एवं भारतीय पुलिस सेवा के
सेवानिवृत अधिकारी

जब देश का नेतृत्व मजबूत होता है और नए विजन के साथ काम करता है तो नए कीर्तिमान बनते हैं। ऐसी संरचनाएं तैयार होती हैं, जिस पर देश गर्व करे, जिसे देख हर नागरिक अपना सीना चौड़ा कर ले और राष्ट्र की उन्नति के लिए अपना सर्वोत्कृष्ट देने हेतु प्रेरित हो जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में देश को एक ऐसा ही शक्तिशाली और दूरदर्शी नेतृत्व प्राप्त हुआ है। विगत 10 वर्षों में राष्ट्र ने अनेक नई ऊंचाइयों को छुआ है। देश की जीवन रेखा भारतीय रेल ने भी इस अवधि में नए प्रतिमान गढ़े हैं। वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत की त्रिवेणी से देश की ट्रेनों को एक नया विकसित आयाम प्राप्त हुआ है। कश्मीर तक सीधी ट्रेन चलाने के लिए चिनाब और अंजी ब्रिजों के निर्माण से देश का मस्तक ऊंचा हुआ है। इसी क्रम में दक्षिण में रामेश्वरम को देश की मुख्य भूमि से जोड़ने के लिए बनाए गए नए पांबन पुल से देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को एक नई पहचान मिली है।

आधारभूत संरचनाओं की मजबूती के लिए बनाई जा रही बड़ी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक पूर्ण होने से यह बात साबित हो गई है कि देश की विकास की धारा और उसकी गति सही दिशा में है। समुद्री लहरों की चुनौती को पार करते हुए पुल का निर्माण करना एक दुष्कर कार्य माना जाता है। इस प्रकार के कार्य को संपादित करने में सामान्यतः दशकों लग जाते हैं जिससे परियोजना की लागत भी कई गुना बढ़ जाती है। लेकिन प्रधानमंत्री का स्पष्ट विजन कि जिन परियोजनाओं का वह शिलान्यास करते हैं, उसका उद्घाटन भी वही करते हैं, ने देश की ब्यूरोक्रेसी और टेक्नोक्रेसी को सही समय पर योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांबन पुल का शिलान्यास 2019 में किया था। 5 वर्षों की अवधि में रामेश्वरम और भारत की मुख्य भूमि के बीच समंदर के ऊपर नया पुल बनकर तैयार हो गया। और अब नरेन्द्र मोदी ही इस पुल का उद्घाटन करने जा रहे हैं। इससे पूरे देश में उत्साह है। 2.08 किलोमीटर लंबा यह पुल कई मामलों में विशिष्ट है। इस पुल में 18.3 मीटर के 99 स्पैन और 72.5 मी का एक वर्टिकल लिफ्ट स्पैन है। यह पुराने पुल की तुलना में तीन मीटर ऊंचा है जिससे बड़े जहाज को पार करने में भी सुगमता होगी। इसके सब-स्ट्रक्चर में 333 पाइल्स है और इसकी संरचना इस तरह से तैयार की गई है कि वर्षों तक रेलवे एवं समुद्री परिचालन सुरक्षित तरीके से होता रहे। इस पुल में एंटी कोरोजन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। पॉलीसिलाक्सासिन पेंट, उन्नत किस्म का स्टेनलेस स्टील और फाइबर रिइंनफोर्स प्लास्टिक के उपयोग से पुल को ऐसी मजबूती मिली है कि यह दीर्घकाल तक टिकाऊ रहेगा।

पांबन पुल के निर्माण से भारत की डिजाइन एवं सर्टिफिकेशन में तकनीकी श्रेष्ठता स्थापित हुई है। पूरा विश्व अब यह जान गया है कि आईआईटी चेन्नई और आईआईटी बॉम्बे जैसी संस्थाएं समुद्री पुल के डिजाइन का चुनौतीपूर्ण कार्य मुस्तैदी के साथ करने में सक्षम हैं।

रामेश्वरम द्वीप भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न अंग है। श्री रामेश्वरम लिंग की स्थापना रामायण काल में प्रभु श्री राम द्वारा की गई। माता सीता की खोज में लंका जाने के क्रम में प्रभु श्री राम रामेश्वरम में रुके और फिर समुद्र पर पुल बनाने से पहले भगवान शिव की आराधना की। श्री रामेश्वरम स्थित शिवलिंग और श्री रामेश्वरम मंदिर से करोड़ों भारतीयों की आस्था जुड़ी हुई है। प्रत्येक वर्ष लाखों लोग प्रभु के दर्शन के लिए रामेश्वरम जाते हैं।

नए पांबन पुल के निर्माण के साथ ही एक बार फिर से पूरे देश से रामेश्वरम की सीधी रेल कनेक्टिविटी स्थापित हो गई है जिससे रामेश्वरम जाने वाले तीर्थ यात्रियों को काफी लाभ होगा। इससे रामेश्वरम की आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। वस्तुतः भारत की प्रगति, नवाचार और विरासत का एक साथ प्रतिनिधित्व करने वाला नया पांबन पुल देश के इंजीनियरिंग कौशल और मजबूत नेतृत्व का प्रतिनिधि भी बन गया है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
मानव अंतरिक्ष उड़ान केन्द्र (एचएसएफसी)
निर्माण एवं रखरखाव समूह (सीएमजी)
अंतरिक्ष भवन, बेंगलूरु - 560 094, फोन : 080-22172614/2613

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नांकित कार्यों के लिए मद-दर निविदाएं ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

क्र स.	कार्य का नाम एवं एनआईटी न.	निविदा की अनुमानित लागत ₹.	कार्य पूर्ण करने का समय	निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख एवं समय	निविदा खोलने की नियत तारीख एवं समय	अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी) ₹.
01	एचएसएफसी, देवनहल्ली, बेंगलूरु में श्रमिकों के लिए शौचालय और चेंजिंग रूम का निर्माण (सिविल, पीएच और इलेक्ट्रिकल कार्य) HSFC/CMG/MM/C/E/143/2024-25, Dt : 04.04.2025	22.97 लाख	04 माह	05.04.2025 को 11.00 बजे से 20.04.2025 को 23.59 बजे तक	22.04.2025 को 11.00 बजे तक	22.04.2025 को 11.30 बजे तक	45,940/-
02	एचएसएफसी, देवनहल्ली, बेंगलूरु में कियोस्क बिल्डिंग का निर्माण (सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य) HSFC/CMG/MM/C/E/144/2024-25, Dt : 04.04.2025	23.16 लाख	04 माह				46,320/-

निविदा दस्तावेज वेबसाइट : www.tenderwizard.com/ISRO में टेन्डर विजार्ड पर स्वयं को पंजीकृत कर और निविदा प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान कर डाउनलोड किए जा सकते है। वेंडरों के पंजीकरण की प्रक्रिया उपर्युक्त वेबसाइट पर दशाई गई हैं।
इच्छुक निविदा प्रतिभागी पात्रता मानदंड के लिए विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें और अन्य ब्यौरे के लिए वेबसाइट www.isro.gov.in देखें और www.tenderwizard.com/ISRO से निविदा प्रलेख डाउनलोड करें।

ह/- समूह प्रमुख, निर्माण एवं रखरखाव(सीएमजी), एचएसएफसी

वक्फ प्रशासन में तय होगी पारदर्शी, जवाबदेह व निष्पक्ष व्यवस्था : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2025' के संसद के दोनों सदनों में बहुमत से पारित होने पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प का प्रमाण होने के साथ ही देश में समानता, पारदर्शिता और सुशासन को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री ने इस अभूतपूर्व विधेयक के लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ संपत्तियों को लेकर वर्षों से चली आ रही अनियमितताओं और अपारदर्शिता को समाप्त करने के लिए यह संशोधन आवश्यक था। यह वक्फ प्रशासन में पारदर्शी, जवाबदेह एवं निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ गरीब व जरूरतमंदों को सशक्त भी बनाएगा। उन्होंने कहा कि इससे सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी और किसी भी प्रकार के अनुचित विशेषाधिकार या भेदभाव को समाप्त किया जा सकेगा।

शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार ने बिना भेदभाव के सभी समाजों, खासकर गरीब और पिछड़े मुस्लिमों के लिए बड़े फैसले लिए हैं। तीन तलाक समाप्त करके मुस्लिम बहनों को न्याय दिलाया।

'एक जिला एक उत्पाद' योजनान्तर्गत भौगोलिक विशिष्टता आधारित फसलों को दिलाया जाएगा जी.आई. टैग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राज्य में कृषि, उद्यानिकी व मसाला फसलों को जी.आई. टैग (भौगोलिक संकेतक) दिलवाये जाने के सम्बन्ध में शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्री राजन विशाल की अध्यक्षता में जी.आई. टैग विशेषज्ञों, कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में शासन सचिव ने बताया कि राजस्थान में कुल 16 उत्पाद और 5 कलाओं को जी.आई. टैग प्राप्त है, जिनमें कृषि क्षेत्र से सोजत की मेहन्दी और कृषि इण्डस्ट्रियल उत्पाद में बीकानेरी भुजिया शामिल है। उन्होंने बताया कि 'पंच गौरव' में शामिल कृषि उत्पादों, 'एक जिला एक उत्पाद' और किसी इलाके विशेष के कृषि उत्पादों को जी.आई. टैग दिलाने के पूरे प्रयास किये जायेंगे। इसके लिए कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, राजस्थान राज्य बीज निगम, राजस्थान राज्य जैविक प्रमाणीकरण संस्था और कृषि विश्वविद्यालयों के साथ एक उच्च स्तरीय अन्तर विभागीय कमेटी का गठन किया जा रहा है, जो कृषि के विशिष्ट उत्पादों की लिस्ट तैयार कर उन्हें जी.आई. टैग दिलाने के लिए प्रोसेस करेगी। उन्होंने बताया कि जिन उत्पादों को जी.आई. टैग मिलता है, उन्हें विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान मिलती है, जिससे उनकी डिमाण्ड बढ़ जाती है और डिमाण्ड बढ़ने से उस फसल का किसानों को भी उचित मूल्य मिलता है, जिससे कृषकों की आर्थिक स्थिति मजबूत बनती है।

जी.आई. टैग किसी भी रीजन का क्षेत्रीय उत्पाद होता है, जिससे उस क्षेत्र की पहचान होती है। किसी उत्पाद की ख्याति देश-दुनिया में फैलती है तो उसे प्रमाणित करने के लिए एक प्रक्रिया होती है, जिसे जी.आई. टैग यानि भौगोलिक संकेतक कहते हैं। जी.आई. टैग हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थों, औद्योगिक वस्तुऐं और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट के लिए दिया जाता है।

किसी प्रोडक्ट के लिए जी.आई. टैग हासिल करने के लिए उसे बनाने वाली एसोसिएशन या कलेक्टिव बॉडी या सरकारी स्तर पर आवेदन किया जा सकता है। जी.आई. टैग 10 साल के लिए मिलता है। इसके बाद इसे रिन्यू करवाया जा सकता है। जी.आई. टैग मिलने से प्रोडक्ट के मूल्य और उससे जुड़े लोगो की अहमियत बढ़ जाती है और नकली उत्पादों को रोकने में मदद मिलती है। इससे जुड़े हुए सम्बन्धित लोगो को आर्थिक फायदा होता है।

एक क्लिक पर मिलेगी जीपीएफ और राज्य बीमा खातों की जानकारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया एसआईपीएफ विभाग द्वारा विकसित चैटबॉट का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। प्रदेश के लगभग 12.5 लाख कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को जीपीएफ और राज्य बीमा खातों की जानकारी अब एक क्लिक पर प्राप्त हो सकेगी । राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग द्वारा विकसित चैटबॉट के माध्यम से उन्हें यह जानकारी प्राप्त होगी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय से इस चैटबॉट का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा किया गया यह नवाचार राज्य के लाखों कार्मिकों और पेंशनर्स के लिए ऋण आदि की सुविधा में साहूलियत देने वाला महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार द्वारा सूचना तकनीक एवं अन्य नवाचारों के द्वारा जन-सुविधाओं को सुलभ करने की दिशा में कदम उठाये जा रहे है। उसी कडी में यह महत्वपूर्ण पहल है।

ऋण की पात्रता, खाते की राशि आदि जानकारी एक क्लिक पर

शासन सचिव वित्त (व्यय) नवीन जैन ने बताया कि विकसित किये गए एआई आधारित चैटबॉट के माध्यम से एसआईपीएफ मोबाईल एप, वेबसाईट एवं पोर्टल पर हिंदी एवं अग्रेजी भाषा में राज्य कार्मिक उनके राज्य बीमा एवं जीपीएफ योजना के तहत ऋण एवं आहरण की पात्रता, खाते जमा राशि, मनोनीत व्यक्ति की जानकारी आसानी से तथा किसी भी समय प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों द्वारा पूछे जाने वाले सभी सवाल चैटबॉट पर उपलब्ध होगे, कार्मिक जिस सवाल पर क्लिक करेंगा उसको उसका जवाब तत्काल प्राप्त हो जायेगा।

निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग हेमपुष्पा शर्मा ने इस दौरान सभी का स्वागत करते हुए कहा कि विभाग सभी कार्मिकों का आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए कृत संकल्पित है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा तैयार किए गए ब्राउजर का भी विमोचन किया।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया से मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयो पर चर्चा की। राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री सिंधिया की यह शिष्टाचार भेंट थी।

वसुंधरा राजे सात अप्रैल को किशनगंज क्षेत्र के दौरे पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सात अप्रैल को बारां जिले के किशनगंज विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने बताया कि उनके साथ सांसद दुष्यंत सिंह भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि श्रीमती राजे सोमवार सात अप्रैल को पूर्वाह्न 11 बजे मध्य प्रदेश सीमा पर स्थित कस्बा थाना आयेंगे, जहां उनका स्वागत किया जायेगा। यहां से वह देवरी में भाजपा नेता बृजपाल सिंह सिकरवार के फार्महाउस पर पहुंचेंगी। वहां स्वागत के बाद शाहाबाद में राजमार्ग पर कार्यकर्त्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा।

श्रीमती राजे समरानियांश, केलवाड़ा होते हुए सीताबाड़ी पहुँचेंगी, जहां वह श्रीलक्ष्मण मंदिर में दर्शन करेंगी। बाद में वह किशनगंज जायेंगी, जहां वसुंधरा विहार में कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

अदालत ने जयपुर सिलसिलेवार धमाकों से जुड़े मामले में चार आरोपियों को दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में जयपुर की एक विशेष अदालत ने शहर में 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों से जुड़े एक मामले में चार आरोपियों को शुक्रवार को दोषी ठहराया। आठ अप्रैल को दोषियों को सजा सुनाई जाएगी।

यह मामला 13 मई, 2008 को चांदपोल में मिले बम से जुड़ा है। इस बम को सुरक्षा दस्तों ने निष्क्रिय किया था।

विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि जयपुर बम विस्फोट मामले की विशेष अदालत ने सरवर आजमी, शाहबाज, सैफुर्रहमान और मोहम्मद सैफ को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दोषी करार दिया है।

उन्होंने बताया कि अदालत ने सजा की अवधि तय करने के लिए आठ अप्रैल की तारीख तय की है।

उल्लेखनीय है कि 13 मई 2008 को जयपुर शहर में सिलसिलेवार आठ बम विस्फोट हुए थे, नौवां बम चांदपोल बाजार के पास मिला था, जिसे निष्क्रिय कर दिया गया था।

इन बम धमाकों में 71 लोगों की जान चली गई थी और 180 अन्य घायल हो गए थे। माणक चौक खंदा, चांदपोल गेट, बड़ी चौपड़, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया गेट, जौहरी बाजार और सांगानेरी गेट पर एक के बाद एक बम फटे थे।

दिसंबर 2019 में निचली अदालत ने सिलसिलेवार धमाकों के मामले में सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सलमान और सैफुर्रहमान को मौत की सजा सुनाई थी और पांचवें आरोपी शाहबाज को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था।

जिन लोगों को सजा सुनाई गई थी उन्होंने निचली अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी और उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने 29 मार्च, 2023 को चारों को बरी कर दिया और शाहबाज हुसैन को बरी करने के फैसले की भी पुष्टि की।

लॉरेंस-गोदारा गिरोह का सदस्य आदित्य जैन दुबई से गिरफ्तार

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स (एजीटीएफ) लॉरेन्स विश्नोई-रोहित गोदारा गिरोह के सक्रिय सदस्य आदित्य जैन उर्फ टोनी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई से गिरफ्तार कर जयपुर लाई है।

पुलिस महानिदेशक (अपराध शाखा, एजीटीएफ) दिनेश एमएन ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए बताया कि बदमाश आदित्य को शुक्रवार सुबह जयपुर लाया गया। श्री एमएन ने बताया कि यह दुबई से अरबनिया जाने की कोशिश में था कि हवाई अड्डे पर पकड़ा गया। बाद में उसे भारत लाया गया और एजीटीएफ टीम शुक्रवार सुबह उसे जयपुर लेकर पहुंची। उन्होंने बताया कि आदित्य जैन अपराधों को अंजाम देने के बाद अचानक देश से गायब हो जाने की आसूचना पर छानबीन करने पर उसके विदेश भाग जाने की जानकारी मिली।

उसके पासपोर्ट सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करने पर उसके संयुक्त अरब अमीरात में होने एवं वहां से रोहित गोदारा एवं गिरोह के अन्य सदस्यों से डब्बा कॉलिंग करवाकर अवैध वसूली करने सम्बन्धी सूचनाएं प्राप्त हुई, जिस पर उसकी आपराधिक गतिविधियों पर निरन्तर निगरानी रखने एवं सटीक सूचनाएं संकलित कर इसके संबंध में भौतिक एवं तकनीकी आसूचना के आधार पर आरोपी की सटीक लोकेशन प्राप्त कर समय-समय पर सूचना अपडेट की गई। उन्होंने बताया कि यूएई को सीबीआई इण्टरपोल के माध्यम से उसकी लोकेशन की जानकारी के लिए इन्टरपोल रेफरेन्स भेजा गया तथा उसके खिलाफ सीबीआई दिल्ली के मार्फत इन्टरपोल रेड नोटिस जारी कराया गया, जिसके फलस्वरूप फरार आरोपी दुबई में लोकेट हुआ। इण्टरपोल रेड नोटिस जारी होने के बाद गत 24 मार्च को यूएई द्वारा आरोपी आदित्य जैन को डिटेन करने एवं उसको भारत लाने के लिए सिक्यूरिटी मिशन भेजने की सूचना प्राप्त हुई और उसके बाद एजीटीएफ टीम 31 मार्च को दुबई पहुंच गई और वह उसे भारत लेकर आई, जिसमें सीबीआई का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उन्होंने बताया कि वह वर्ष 2018 में चुरु जेल में बंद के दौरान बदमाश वीरेन्द्र चारण के संपर्क में आया। बाद में वह जनवरी 2024 में अपने पासपोर्ट पर दुबई चला गया और वहां से लॉरेन्स-गोदारा गिरोह के लिए डब्बा कॉल शुरु करना शुरु किया और उसने वहां टूल एंड ट्रैवल्स का काम भी किया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने आप ही दुबई गया था और इसमें किसी अन्य का कोई हाथ नहीं हैं। उसकी पत्नी अभी दुबई में हैं।

नियम विरूद्ध बेचे जा रहे 16 ई-स्कूटर्स जब्त

उदयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के उदयपुर में परिवहन विभाग ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नियम विरूद्ध बेचे जा रहे 16 ई-स्कूटर्स जब्त किए। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ज्ञानदेव विश्वकर्मा ने बताया कि जिला परिवहन अधिकारी नितिन बोहरा ने शहर के गोवर्धन विलास में ओला ई-स्कूटर के शो रूम पर छापा मारा और वहां पर नियम विरूद्ध बेचे जा रहे 16 ई-स्कूटर्स को जब्त किया। उन्होंने बताया कि शो रूम मालिक पर विभागीय ट्रेड सर्टिफिकेट के बिना व्यवसाय किए जाने पर अभियोग दर्ज कर जुर्माना भी लगाया गया है। विश्वकर्मा ने बताया कि जांच के दौरान शो रूम पर नियमानुसार आवश्यक दस्तावेज एवं ट्रेड सर्टिफिकेट नहीं पाया गया। उन्होंने बताया कि दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के डीलरों के पास विभागीय ट्रेड सर्टिफिकेट होना आवश्यक है।

दुकानों के ताले तोडकर बैट्रियां चुराने गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां/एजेन्सी। राजस्थान में बारां जिले के सीसवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने नकबजनी की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए बैटरियां चुराने वाली अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर 40 बैटरियों को जब्त किया है।

जिला पुलिस पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने शुक्रवार को बताया कि परिवादी हरिओम मीणा (37) निवासी छत्रपुरा सीसवाली ने पुलिस थाना पर एक रिपोर्ट पेश की थी कि गत 31 मार्च की रात्रि को अज्ञात बदमाश द्वारा उसकी दुकान के शटर के ताले तोड़कर उसमें रखी इन्वर्टर की 08 बैटरियां समेत एकसाइड, सोलर, जेएमटीटी, 2000 इन्वामोस्ट, झटका मशीन की बैटरियां, रिपेरिंग के सामान आदि चुराकर ले गये।

पुलिस ने इस मामले में थानाधिकारी सीसवाली के नेतृत्व मे टीम गठित की गयी। टीम द्वारा संदिग्ध स्थानो पर दबिश देकर गुरुवार रात को अभियुक्त लक्ष्मीचंद पांचाल निवासी छावनी रामचन्द्रपुरा, दुर्गानगर कच्ची बस्ती गुमानपुरा थाना कोटा शहर, मुरली मीणा निवासी बिछारस थाना मोठपुर जिला बारां को गिरफ़तार किया गया है, जिनके कब्जे से चुराई गयीं 40 बैटरियां जब्त की गयी हैं। इनकी अनुमानित कीमत चार लाख रूपए है। चोरी मे प्रयुक्त सीएनजी ऑटो को भी बरामद किया गया है।

जीरो टॉलरेंस की नीति से राजस्व में हुई वृद्धि : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्व संग्रहण किसी भी राज्य के विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का आधार बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार कर चोरी सहित राजस्व लीकेज के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश की राजस्व आय में गत वर्ष की तुलना में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्व अर्जन से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए राजस्व संग्रहण आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि टैक्स कम्पाइलेंस बढ़ाने, कर प्रक्रियाओं का सरलीकरण करने एवं राजस्व लीकेज रोकने के साथ ही राजस्व लक्ष्यों का निर्धारण भी किया जाए।

बैठक में वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य के जीएसटी संग्रहण में पिछले साल की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने उद्यमियों को जीएसटी, वैट एवं अन्य आवश्यक सभी विवरण उपलब्ध कराने के लिए इंटीग्रेटेड टैक्स मैनेजमेंट सिस्टम की घोषणा की है। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को उक्त प्रणाली के अधिक से अधिक उपयोग एवं कर से संबंधित जागरूकता को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने जीएसटी चोरी से संबंधित मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आबकारी नीति में किए गए नीतिगत सुधारों से इस वर्ष आबकारी से राजस्व पिछले वित्तीय वर्ष से लगभग 14 प्रतिशत अधिक रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि नकली शराब के फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के साथ ही अवैध शराब के संबंध में जानकारी देने वाले मुखबिरों को प्रोत्साहित किया

बैठक में बताया गया कि पंजीयन एवं मुद्रांक द्वारा डीएलसी दरों में किए गए सुधारों से इस वर्ष स्टांप ड्यूटी से अर्जित राजस्व 15 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं नियमित रूप से पूरे वर्ष चली खनन पट्टों की नीलामी से राजस्व अर्जन पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभाग द्वारा अवैध खनन पर पूर्ण रोकथाम के उपाय किए जाएं तथा इस कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आईटी और आधारित नवाचारों को बढ़ावा देने से राजस्व अर्जन में इस वर्ष 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि बजट घोषणा की अनुपालना में संचालित किए जाने वाले नए परमिटों में पूर्ण रूप से नई बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे लोगों को राहत मिलने के साथ ही राजस्व में वृद्धि हो सकेगी। इसी तरह हमारी सरकार ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक परिवहन के लिए पीएम ई-बस सेवा की पहल की है। उन्होंने इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बरसात के अनोखे देवता, बारिश के लिए मांगी जाती है मन्नत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

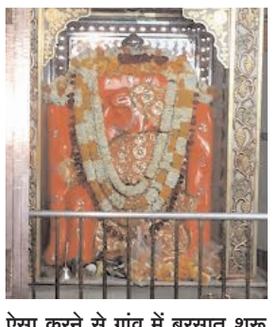

जयपुर/एजेन्सी। हिंदू मान्यताओं में कई देवी देवताओं के चमत्कारिक स्वरूप देखने व सुनने को मिलते हैं। ऐसा ही एक चमत्कारी मंदिर जयपुर जिले के गदड़ी गांव में स्थित बुढ़ल्या बालाजी का है। जहां विशेष पूजा अनुष्ठान करने से गांव में बरसात शुरू हो जाती है. कई वर्षों से ग्रामीण इस मान्यता को मानते आ रहे हैं।

मंगलवार व शनिवार को यहां पर भक्त मांगते हैं मन्नत

ग्रामीण बताते हैं कि गांव में बरसात नहीं होने पर सभी ग्रामीण बुढ़ल्या बालाजी मंदिर पहुंचते हैं और विशेष पूजा आराधना करते हैं ऐसा करने से गांव में बरसात शुरू हो जाती है। जयपुर जिले के गदड़ी गांव में स्थित बुढ़ल्या बालाजी खेतों के रेतीले भूभाग में स्थित है मंदिर के गर्भग्रह में विशाल मूर्ति स्थित है। मंदिर के एक भाग में बड़े पैमाने पर बरमदानुमा भवन बना है। मंदिर के बाहरी भाग में खेजड़ी का एक विशाल पेड़ भी है। मंगलवार व शनिवार को यहां पर भक्त आकर मन्नत मांगते हैं।

बहुत चमत्कारिक है मूर्ति

गदडी. गांव में स्थित बुढ़ल्या बालाजी की मूर्ति को चमत्कारी माना जाता है। भक्त रमेश कुमार ने बताया कि यह मंदिर किसानों के लिए खास है। मान्यता है कि यह मूर्ति बरसात के देवता के रूप में स्थित है। जब कभी गांव में फसलों के लिए बरसात की आवश्यकता होती है, तो ग्रामीण बड़े पैमाने में घर से बने पकवान ले जाकर मूर्ति के सामने भोग लगाकर विशेष पूजा व अपील करने से बरसात शुरू हो जाती है। ऐसी मान्यता कई वर्षों से चली आ रही है। यहां दुरदराज से भक्त आते हैं।

मंगलवार में शनिवार को यहां विशेष पूजा होती है। ग्रामीण अपने परिवार के हर शुभ कार्य की शुरुआत इसी मंदिर में पूजा करके करते हैं।

कृषि भूमि पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, एक की मौत, कई घायल

श्रीगंगानगर/एजेन्सी। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के गोलूवाला थाना क्षेत्र में चक 5-एलकेएस में विवादित कृषि भूमि पर कब्जा करने को लेकर कल देर रात दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष में एक युवक की गोली लगने से मौत हो गयी जबकि कुछ महिलाओं सहित कई लोग घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार रात करीब दो बजे हुए खूनी टकराव में श्रीगंगानगर जिले के जैतसर थाना क्षेत्र के एक युवक सुभाष नायक (35) की गोली लगने से मौत हो गई जबकि चक 5-एलकेएस ढाणी निवासी राकेश बिश्नोई तेज धार वाली कस्सी की घातक चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे हनुमानगढ़ टाउन सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि चक 5-एलकेएस निवासी भीमसेन बिश्नोई और कपिल बिश्नोई आपस में रिश्ते में भाई लगते हैं। उनके परिवारों में जमीन के बंटवारे और कब्जे को लेकर पिछले काफी समय से रंजिश चली आ रही है। कल रात दो बजे एक पक्ष के भीमसेन बिश्नोई, राकेश बिश्नोई और इनके द्वारा बाहर से बुलाए हुए कुछ लोग हथियारों से लैस होकर दूसरे पक्ष के कपिल बिश्नोई की ढाणी पर हमला करने के लिए आ गए। इससे दोनों पक्षों में टकराव हो गया। दोनों ओर से जहां लाठियां- गंडासियां चलाई गई और पत्थरबाजी भी हुई। वहीं इसी दौरान चली गोलियों से सुभाष नायक घायल हो गया। राकेश बिश्नोई के भी कस्सी की घातक चोट लग गई। कपिल बिश्नोई के परिवार की कुछ महिलाओं के भी चोटें लगी हैं जो बीच बचाव का प्रयास कर रही थीं। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अयोध्या में रामनवमी पर श्रद्धालुओं के ऊपर ड्रोन के जरिये होगी सरयू के जल की बौछार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में रामनवमी पर भव्य महोत्सव की तैयारी की गयी है और इस मौके पर श्रद्धालुओं के ऊपर ड्रोन के जरिये सरयू के जल की बौछार की जाएगी। रामनवमी छह अप्रैल, रविवार को मनाई जाएगी। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में इस बार रामनवमी का पर्व ऐतिहासिक और भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

बयान के अनुसार, रामनवमी के अवसर पर पहली बार दीपोत्सव का आयोजन होने जा रहा है, जो इस पर्व को और भी खास बना देगा। इसके साथ ही अष्टमी और नवमी के दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी।

बयान में कहा गया कि राम कथा पार्क के बगल में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में देश के नामचीन कलाकारों को आमंत्रित किया गया है। बयान में जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह के हवाले से कहा गया कि रामनवमी पर आने वाले श्रद्धालुओं पर सरयू नदी के पवित्र जल की फुहार डाली जाएगी। इसके लिए ड्रोन का उपयोग किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह फैसला मां सरयू के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था को ध्यान में रखकर लिया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा की इस पहल से न केवल धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा, बल्कि तकनीक और परंपरा का अनोखा संगम भी देखने को मिलेगा। बयान के अनुसार, इस बार रामनवमी पर अयोध्या में दो लाख से अधिक दीप जलाए जाएंगे, जो राम कथा पार्क के सामने पक्का घाट व राम की पैड़ी पर प्रकाशमान होंगे। इसके अलावा अष्टमी के दिन कनक भवन से एक हेरिटेज वॉक' निकाली जाएगी, जो राम कथा पार्क में समाप्त होगी। इस पदयात्रा के जरिए श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को करीब से देख सकेंगे।

बयान के अनुसार, राम कथा पार्क में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक जैसी प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

इस बीच, रामनवमी के दौरान अयोध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं।

जिलाधिकारी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में श्रीराम जन्मोत्सव के पोस्टर का विमोचन करते हुए कहा, हमारी पूरी कोशिश है कि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो। इसके लिए जगह-जगह भंडारे, पेयजल की व्यवस्था, स्वास्थ्य शिविर और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। राम मंदिर ट्रस्ट ने भी श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए दर्शन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है।

मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि यह रामनवमी न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो, बल्कि अयोध्या को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर भी मजबूती से स्थापित करे।

मंत्रिमंडल ने रेलवे की 18,658 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने शुक्रवार को रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जिनकी कुल लागत लगभग 18,658 करोड़ रुपये है। एक सरकारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में फैली इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 1,247 किलोमीटर की वृद्धि होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन परियोजनाओं में संबलपुर-जरापदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन, झारसुगुड़ा-सासोन के बीच तीसरी और चौथी लाइन, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा के बीच पांचवी और छठी लाइन और गोंदिया-बलहारशाह मार्ग का दोहरीकरण शामिल है।

सरकार के मुताबिक इन परियोजनाओं से रेलगाड़ियों की गति में सुधार होगा जिससे भारतीय रेलवे बेहतर दक्षता से युक्त और विश्वसनीय सेवा मुहैया करा सकेगी। विज्ञप्ति के मुताबिक ये 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएंगे और भीड़भाड़ को कम करेंगे जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्ततम खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढांचागत विकास होगा। इसमें कहा गया कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से लोगों को 'आत्मनिर्भर' बनाएगा, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सरकार के मुताबिक ये परियोजनाएं 'मल्टी-मॉडल' संपर्क के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हो पाई हैं और लोगों की आवाजाही और वस्तुओं तथा सेवाओं के लिए निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी। विज्ञप्ति के मुताबिक इन परियोजनाओं के साथ 19 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा जिससे दो आकांक्षी जिलों (गढ़चिरौली और राजनांदगांव) में संपर्क बढ़ेगा। 'मल्टी-ट्रैकिंग' (एक खंड पर कई पटरियों का निर्माण) परियोजना से लगभग 3350 गांवों और लगभग 47.25 लाख आबादी को बेहतर संपर्क मिल सकेगा।

अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने कोलकाता में वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अल्प संख्यक समुदाय के सदस्यों ने शुक्रवार को यहां पार्क सर्कस क्रॉसिंग पर विरोध प्रदर्शन किया और वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को तत्काल वापस लेने की मांग की। बृहस्पतिवार को देर रात 13 घंटे की लंबी बहस के बाद राज्य सभा ने विधेयक को पारित कर दिया और इसके साथ ही इसे संसद की मंजूरी मिल गई।

सैकड़ों मुसलमान इस विवादास्पद विधेयक के प्रति अपना विरोध व्यक्त करने के लिए महानगर की सड़कों पर उतर आए तथा कई अल्पसंख्यक संगठन भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए।

प्रदर्शनकारियों में से एक ने कहा, यह विधेयक देश को बांटने के लिए भाजपा की चाल है। उन्होंने अपने बहुमत के कारण लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विधेयक पारित करा दिया है। हम इस तानाशाही दृष्टिकोण का विरोध करते हैं। यह न केवल मुस्लिम संपत्तियों को जब्त करने का प्रयास है, बल्कि हमें बदनाम करने का भी प्रयास है। प्रदर्शनों के कारण क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया तथा बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर एकत्र हो गए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी वक्फ विधेयक पेश करने के लिए भाजपा की आलोचना की है और उस पर देश को बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। बनर्जी ने संकल्प लिया कि जब मौजूदा सरकार को हटाकर नई सरकार बनेगी तो वह विधेयक को निष्प्रभावी करने के लिए संशोधन लाएंगी।

मुख्यमंत्री धामी, मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष ने वक्फ विधेयक पारित होने का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में वक्फ (संशोधन) विधेयक के पारित होने का स्वागत किया और इसे एक 'ऐतिहासिक कानून'' बताया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और आपके मार्गदर्शन में निश्चित तौर पर वक्फ (संशोधन) विधेयक मुस्लिम समाज के वंचित वर्गों, विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

धामी ने कहा, ''इस ऐतिहासिक विधेयक के लिए समस्त प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार एवं अभिनंदन।'' फेसबुक पर एक अन्य पोस्ट में धामी ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सुशासन और न्यायिक सुधारों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा, ''इस

विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता, कानूनी स्पष्टता और न्यायिक संतुलन स्थापित करना है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विधेयक किसी समुदाय विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि इसके लागू होने से झूठे व अवैध दावों पर रोक लगेगी, जिससे भूमि एवं संपत्ति से जुड़े विवादों का निष्पक्ष समाधान हो सकेगा। धामी ने कहा कि इसके साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वक्फ संपत्तियों का दुरुपयोग न हो और वे समाज के व्यापक हित में उपयोग की जाएं।

शाह ने वक्फ संशोधन विधेयक को संसद की मंजूरी की सराहना की, कहा वर्षों से जारी अन्याय खत्म होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दिए जाने से वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार समाप्त होगा तथा न्याय और समानता के युग का आरंभ होगा। शाह की यह टिप्पणी राज्यसभा द्वारा विधेयक को मंजूरी दिए जाने के कुछ समय बाद आई। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विधेयक को मंजूरी दी थी।उन्होंने सोशल मडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, आज एक ऐतिहासिक दिन है, जब संसद ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' को स्वीकृति देकर वर्षों से जारी अन्याय और भ्रष्टाचार के युग का अंत किया है और न्याय व समानता के युग की शुरुआत की है। गृह मंत्री ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्ति अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और न्यायसंगत होने वाली हैं। इससे निश्चित ही मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, करोड़ों लोगों को न्याय देने वाले इस महत्त्वपूर्ण विधेयक के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू को बधाई देता हूं। साथ ही, इसका समर्थन करने वाले सभी दलों व सांसदों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

पावरग्रिड को बॉन्ड के जरिये 6,000 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी की निदेशकों की समिति ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) में बॉन्ड के जरिये 6,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

पावरग्रिड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मंजूरी के अनुसार, बॉन्ड का आकार 1,500 करोड़ रुपये होगा। इसमें 4,500 करोड़ रुपये का 'ग्रीन शू' विकल्प यानी अधिक अभिदान आने पर 4,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बोली रखने का विकल्प रखा गया है। कंपनी ने कहा कि बॉन्ड 10 साल बाद सममूल्य पर भुनाए जा सकेंगे और ब्याज का भुगतान सालाना किया जाएगा।

वक्फ विधेयक का असर : जद(यू) से जुड़े लोगों का इस्तीफा जारी

पटना/भाषा। संसद में वक्फ विधेयक का समर्थन करने से पैदा हुए विवाद का असर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) पर भी पड़ा है जहां पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा का दावा करने वाले एक और व्यक्ति ने इस रुख के विरोध में शुक्रवार को इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। जद(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने हालांकि कहा कि कथित इस्तीफे फर्जी'' हैं क्योंकि इस पर हस्ताक्षर करने वाले सदस्य संगठन (पार्टी) में कभी किसी पद पर नहीं रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जद(यू) के सभी कार्यकर्ता पूरी तरह से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के इस फैसले के समर्थन में खड़े हैं क्योंकि इससे करोड़ों गरीब मुसलमानों को लाभ मिलेगा। प्रसाद ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब मीडिया में जारी कुछ खबरों में तबरेज सिद्दीकी द्वारा इस्तीफा दिए जाने की सूचना सामने आई है। सिद्दीकी ने दावा किया था कि वह जद(यू) के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राज्य महासचिव हैं। इससे पहले, पूर्वी चंपारण से मोहम्मद कासिम अंसारी और जमुई से नवाज मलिक ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर जद(यू) से इस्तीफा दिए जाने के अपने पत्र साझा किए थे। इससे पार्टी में संकट की अटकलें तेज हो गई हैं।

वक्फ विधेयक पर सोनिया गांधी की टिप्पणी संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा के अनुरूप नहीं : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी का नाम लिए बिना कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को पारित किए जाने पर उनकी टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण और संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि वक्फ (संशोधन) विधेयक,2025 को जबरन पारित किया गया और यह विधेयक संविधान पर सरेआम हमला है। बजट सत्र के आखिरी दिन, सदन में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू द्वारा सोनिया की टिप्पणी का उल्लेख किए जाने के बाद बिरला ने यह भी कहा कि एक वरिष्ठ सदस्य द्वारा लोकसभा की कार्यवाही पर प्रश्न उठाना उचित नहीं है।

कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की प्रमुख सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को सरकार पर वक्फ (संशोधन) विधेयक को मनमाने ढंग से पारित कराने का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि यह विधेयक संविधान पर सरेआम हमला है तथा यह समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने संसद भवन परिसर में संपन्न सीपीपी की बैठक में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी विधेयक, निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, भारत के पड़ोसी देशों में राजनीतिक स्थिति, संसद में गतिरोध, विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दिए जाने और कई अन्य विषयों को लेकर सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला किया था। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को दावा किया था, कल (बुधवार) वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 लोकसभा में पारित हो गया और आज (बृहस्पतिवार) यह राज्यसभा में लाया जाने वाला है। (लोकसभा में) विधेयक को असल में जबरन पारित किया गया। हमारी पार्टी की स्थिति स्पष्ट है। यह विधेयक संविधान पर सरेआम हमला है। यह हमारे समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। रीजीजू ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा, एस्मा (आवश्यक सेवा अनुरक्षण) अधिनियम, 1981 पर 16 घंटे 51 मिनट चर्चा हुई थी। यह रिकॉर्ड तोड़ते हुए राज्यसभा में बृहस्पतिवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर 17 घंटे दो मिनट चर्चा हुई, जो ऐतिहासिक है। इस तरह सबसे लंबी चर्चा हुई।'' उन्होंने सोनिया गांधी का नाम लिए बिना कहा, कई सांसदों ने मुझे बताया कि दूसरे सदन (राज्यसभा) की एक सदस्य ने यह आरोप लगाया है कि चर्चा के बिना बुलडोज' कर विधेयक पारित किया गया। उन्होंने कहा, जबकि यह विधेयक नियम और प्रक्रिया का पालन करते हुए पारित किया गया। इसकी तारीफ करने के बजाय यह कहा गया कि बुलडोज' करके विधेयक पारित किया गया। रीजीजू ने लोकसभा अध्यक्ष से इस पर एक व्यवस्था देने का आग्रह किया।

संभल की शाही जामा मस्जिद में हिंदू अनुष्ठान करने पर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/भाषा। दिल्ली से आये तीन लोगों को संभल की शाही जामा मस्जिद में कथित तौर पर पूजा और हिंदू अनुष्ठान करने के प्रयास के बाद पुलिस ने शुक्रवार को हिरासत में ले लिया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, तीन व्यक्ति कार से आए थे और उन्हें विवादित स्थल के पास हिरासत में ले लिया गया। उन्हें पुलिस थाने ले जाया गया है और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्हें भविष्य में संभल में प्रवेश न करने की चेतावनी भी दी जाएगी। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक सनातन सिंह ने दावा किया, हम विष्णु हरिहर मंदिर में हवन और यज्ञ करने दिल्ली से आए थे, लेकिन पुलिस ने हमें गिरफ्तार कर लिया। अगर वहां नमाज अदा की जा सकती है, तो हम पूजा क्यों नहीं कर सकते? अन्य आरोपी वीर सिंह यादव ने कहा, हम संभल की मस्जिद में अनुष्ठान करने आए थे, लेकिन पुलिस ने हमें रोक दिया। हिरासत में लिए गए अनिल सिंह ने कहा, जब हमें हिरासत में लिया गया, तब हम हरिहर मंदिर में हवन के लिए गए थे।

ईडी ने झारखंड में आयुष्मान भारत 'फर्जीवाड़ा' मामले में छापेमारी की

रांची/भाषा। ईडी ने केंद्र की आयुष्मान भारत योजना में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन की जांच के सिलसिले में झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के निजी सचिव के परिसरों सहित विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत झारखंड, दिल्ली और प. बंगाल में 21 स्थानों पर छापेमारी की। ओम प्रकाश सिंह और गुप्ता से जुड़े परिसरों के अलावा सलाहकारों और संबद्ध फर्मों के पूर्व अधिकारियों सहित मुख्य ''संदिग्धों'' के परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारियों के साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की एक सुरक्षा टीम भी थी। झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों और 'एमडी इंडिया', 'सेफवे', 'मेडी असिस्ट' और उनके सहयोगियों जैसे थर्ड-पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर के कार्यालयों पर भी छापेमारी की गई।

अखिलेश ने तोड़फोड़ कार्रवाई के समय किताबें समेटने वाली लड़की की मदद का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को ऐलान किया कि वह आंबेडकर नगर की आठ वर्षीय अनन्या यादव की शिक्षा का खर्च उठाएंगे। अन्यया का एक वीडियो काफी चर्चा में रहा जिसमें वह अपनी झुग्गी के पास तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान किताबों को समेटते हुए दौड़ती नजर आ रही है।

इस वीडियो ने उच्चतम न्यायालय सहित सभी का ध्यान आकर्षित किया है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, जो बच्चों का भविष्य उजाड़ते हैं, दरअसल वो बेघर होते हैं। हम इस

अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जो बच्चों का भविष्य उजाड़ते हैं, दरअसल वो बेघर होते हैं। हम इस बच्ची की पढ़ाई का संकल्प उठाते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई का मोल पढ़ने वाले ही जानते हैं...

बच्ची की पढ़ाई का संकल्प उठाते हैं। उन्होंने कहा, ''पढ़ाई का मोल पढ़ने वाले ही जानते हैं। बुलडोजर विध्वंसक शक्ति का प्रतीक है, ज्ञान, बोध या विवेक का नहीं। बुलडोजर अहंकार के ईंधन से, दंभ के पहियों पर सवार होकर चलता है, इसमें इंसाफ की लगाम नहीं होती है।'' मार्च में, अन्यया को तोड़फोड़ की कार्रवाई के चलते अपनी झुग्गी छोड़नी पड़ी, क्योंकि कथित तौर पर यह अतिक्रमण कर बनाई गई थी। अंबेडकर नगर पुलिस ने इस कार्रवाई का बचाव किया। उसने कहा, जलालपुर तहसीलदार की अदालत द्वारा पारित आदेश के बाद, गांव की भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए यह कार्रवाई की गई... सरकारी भूमि को पुनः प्राप्त करने के लिए राजस्व न्यायालय के आदेश का पूर्ण अनुपालन करते हुए फोड़फोड़ की गई। हाल ही में इस मुद्दे का संज्ञान लेने वाले उच्चतम न्यायालय ने आस-पास के क्षेत्रों में इस तरह के तोड़फोड़ के हालात के बारे में अधिकारियों से जवाब मांगा है। अंबेडकरनगर के जलालपुर इलाके के अरई गांव में रहने वाली अनन्या ने पत्रकारों से कहा था कि वह एक दिन आईएएस अधिकारी बनना चाहती है।

भारत को पश्चिम का प्रौद्योगिकी उपनिवेश नहीं बनना चाहिए : अमिताभ कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि भारत को अपनी संप्रभुता बनाए रखनी चाहिए और पश्चिम का प्रौद्योगिकी उपनिवेश नहीं बनना चाहिए। उन्होंने तीव्र और किफायती तरीके से नवोन्मेष को गति देने की जरूरत बतायी। 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम में कांत ने पश्चिमी मॉडल अपनाने के खिलाफ आगाह किया जिससे भारत की संस्कृति, पहचान और सभ्यता की ताकत को नुकसान हो सकता है।

जी-20 शेरपा ने कहा, भारत के लिए प्रौद्योगिकी की उन्नति में अपनी संप्रभुता बनाए रखना और आगे बढ़कर नेतृत्व करना बहुत महत्वपूर्ण है। हमें न तो पश्चिम का और न ही दुनिया के किसी अन्य देश का प्रौद्योगिकी उपनिवेश बनना चाहिए। हमें बहुत ही कम ऊर्जा खपत वाले, लागत प्रभावी तरीके से नवोन्मेष को गति देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश को अपने स्वयं के 'डेटा सेट' के आधार पर मॉडल तैयार करना चाहिए और पश्चिम के अंतर्निहित पूर्वाग्रहों से मुक्त होना चाहिए।

कांत ने भारत की 22 भाषाओं और अनेक बोलियों के साथ बहुभाषी विविधता का जिक्र करते हुए ग्रामीण आबादी की प्रभावी ढंग से जरूरतों को पूरा करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई मॉडल) के बहुभाषी व बहुविध होने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने कहा कि एआई प्रभुत्व की दौड़ बहुत खुली है, उन्होंने भारतीय स्टार्टअप से सीमित हार्डवेयर कंप्यूटिंग शक्ति का इस्तेमाल करके ऊर्जा-कुशल एआई समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। कांत ने डीपसीक' के ओपन-सोर्स इनोवेशन जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि कैसे चुस्त दृष्टिकोण कम लागत पर महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल कर सकते हैं। उन्होंने इसके अलावा स्टार्टअप से 'डीप टेक', कृत्रिम मेधा, परिवहन, बैटरी भंडारण और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे उभरते क्षेत्रों में बदलाव लाने और उनका दोहन करने का आग्रह किया।

सुविचार

कुछ सच तो हम पहले से जानते थे, बस देखना चाहते थे कि लोग झूठ कहाँ तक बोल सकते हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संतान से पहले संसाधन जरूरी

इन दिनों कुछ मुख्यमंत्री और उनकी पार्टियों के नेता 'जनसंख्या बढ़ाने की अपील' की वजह से सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं। वे लोगों से बार-बार कह रहे हैं कि उन्हें अधिक संतानोत्पत्ति करनी चाहिए। हालांकि रोजगार की क्या स्थिति है, चिकित्सा सुविधाएं कैसी हैं, परिवहन सुविधाओं का क्या हाल है ... इन पर वे बात नहीं करते। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें इन बातों की खास चिंता भी नहीं है। वे इस बात को लेकर फिक्रमंद हैं कि परिसीमन में लोकसभा की सीटें कम न हो जाएं। क्या इसका एकमात्र समाधान यह है कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इस दुनिया में लाया जाए? इसमें कोई संदेह नहीं कि कुछ राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में बहुत अच्छा काम किया है। वहां अन्य राज्यों की तुलना में आम आदमी की ज़िंदगी कुछ बेहतर हुई है। जिन राज्यों में टीएफआर (कुल प्रजनन दर) ज्यादा है और लोकसभा में उनके प्रतिनिधि ज्यादा हैं, वहां भी लोग मांग कर रहे हैं कि जनसंख्या नियंत्रण में अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को 'इनाम' मिलना चाहिए। इसके उलट, लोगों से जनसंख्या वृद्धि की अपील करने के भयावह परिणाम हो सकते हैं। क्या हमारे पास बुनियादी सुविधाएं देने के लिए इतने संसाधन हैं? नेताओं को ऐसी अपील करने से पहले आम आदमी के नजरिए को समझना होगा। क्या आप हर बच्चे के लिए साफ हवा, स्वच्छ पेयजल और पौष्टिक आहार सुनिश्चित कर सकते हैं? क्या आप हर बच्चे को नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सकते हैं? क्या आप ऐसा समाज बना सकते हैं, जहां भ्रष्टाचार और अपराधों पर कड़ा नियंत्रण हो और आम आदमी किसी मुसीबत में हो तो पुलिस थाने में जाकर सहज महसूस करे? क्या आप ऐसे अस्पताल बना सकते हैं, जहां अच्छी सुविधाओं के साथ बेहतरीन इलाज हो और लोगों को अपनी जेब की चिंता न करनी पड़े?

ये तो चंद सवाल हैं। हकीकत यह है कि लोगों की ज़िंदगी से जुड़े संघर्ष कम होने का नाम नहीं ले रहे। कमजोर और साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों के बच्चे पहले ही बहुत ज्यादा दबाव में हैं। परीक्षा में अच्छे नंबर लाने का दबाव अपनी जगह है। जब कॉलेज से निकलते हैं, तब पता चलता है कि असली परीक्षा तो अब होने वाली है। बड़े-बड़े डिग्रीधारी बेरोजगार बैठे हैं। जिन्हें कहीं रोजगार मिल गया है, उनमें से ज्यादातर का वेतन बहुत कम है। युवाओं की ऊर्जा का काफ़ी हिस्सा तो रोजगार ढूंढ़ने में खर्च हो रहा है। जो लोग इस दुनिया में आ चुके हैं, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए अच्छे स्कूलों की कमी है, सरकारी अस्पताल संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, बसों, ट्रेनों में भीड़ ही भीड़ है, शहर में ऐसी जगह मिलनी मुश्किल है जहां इन्सान आधा घंटा बैठकर सुकून से सांस ले सके ... क्या ये सभी बिंदु इस बात का समर्थन करते हैं कि जनसंख्या में तेज बढ़ोतरी होनी चाहिए? पहले इन लोगों की ज़िंदगी तो सुधार दें, इनका भला कर दें! नेताओं द्वारा ऐसी अपीलों के साथ सोशल मीडिया पर अमेरिका के एक मशहूर उद्योगपति काफी चर्चा में हैं। वे दुनिया के पांच सबसे अमीरों में शुमार किए जाते हैं। उन्हें इस बात की बहुत 'चिंता' है कि टीएफआर घट रही है, जिससे धरती पर इन्सानों का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा! हालांकि कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि वे उद्योगपति आम लोगों से जनसंख्या बढ़ाने की अपील इसलिए कर रहे हैं, ताकि उन्हें कम वेतन पर श्रमिक मिलते रहें और उनका कारोबार खूब चलता रहे। इसी तरह, जनसंख्या बढ़ाने की अपील करने वाले नेताओं की यह कहते हुए आलोचना होना स्वाभाविक है कि उन्हें अपना वोटबैंक बढ़ाने की चिंता है। अगर किसी नेता या पार्टी को आम जनता की बहुत चिंता है तो पहले उसकी भलाई के लिए काम करें, गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं का इंतजाम करें। उसके बाद यह फैसला लोगों पर छोड़ दें कि वे कितनी संतान चाहते हैं!

ट्वीटर टॉक

संसद के दोनों सदनों से वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक का पारित होना देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को सामने लाता है।

-नरेन्द्र मोदी

निष्पक्ष जांच और न्याय क्यों नहीं? यूपीएससी की तैयारी कर रहे भीलवाड़ा के राजकुमार जाट की गुजरात के राजकोट में नृशंस हत्या को एक महीना बीत गया। लेकिन हैरानी की बात है कि भाजपा के एक प्रभावशाली नेता ने बेटे को बचाने के लिए पुलिस पर दबाव बनाकर एफआईआर तक दर्ज नहीं होने दी।

-गोविंद सिंह डोटासरा

आज मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान के युवा वर्ग के लिए प्रक्रियाधीन भर्तियों एवं आगामी वर्षों में की जाने वाली संभावित भर्तियों के संबंध में बैठक ली। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने एवं युवाओं के हित में नियुक्ति प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु उचित दिशा-निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सौ का नोट

एक अँधा व्यक्ति रोज शाम को सड़क के किनारे खड़े होकर भीख माँगा करता था। जो थोड़े-बहुत पैसे मिल जाते उन्हीं से अपनी गुजर-बसर किया करता था। एक शाम वहां से एक बहुत बड़े रईस गुजर रहे थे। उन्होंने उस अंधे को देखा और उन्हें अंधे की फटेहाल होने पर बहुत दया आई और उन्होंने सौ रूपये का नोट उसके हाथ में रखते हुए आगे की राह ली।

उस अंधे आदमी ने नोट को टटोलकर देखा और समझा कि किसी आदमी ने उसके साथ ठिठोली भरा मजाक किया है क्योंकि उसने सोचा कि अब तक उसे सिर्फ 5 रूपये तक के ही नोट मिला करते थे जो कि हाथ में पकड़ने पर सौ की नोट की अपेक्षा वह बहुत छोटा लगता था और उसे लगा कि किसी ने सिर्फ कागज़ का टुकड़ा उसके हाथ में थमा दिया है और उसने नोट को खिन्न मन से कागज़ समझकर जमीन पर फेंक दिया।

एक सज्जन पुरुष जो वहीँ खड़े ये दृश्य देख रहे थे, उन्होंने नोट को उठाया और अंधे व्यक्ति को देते हुए कहा- यह सौ रूपये का नोट है! तब वह बहुत ही प्रसन्न हुआ और उसने अपनी आवश्यकताएं पूरी कीं।

सामयिक

वक्फ पर सियासत और सेकुलरिज्म का पोस्टमार्टम

बाल मुकुन्द ओझा

मो. 8949519406

धर्मनिरपेक्षता के कथित ठेकेदार गाहे बगाहे भारतीय जनता पार्टी पर सांप्रदायिक होने का आरोप लगाकर खुद को सब से बड़ा धर्मनिरपेक्ष घोषित करते है। विशेषकर कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन की पार्टियां स्वयं को धर्मनिरपेक्षता का झंडाबरदार बताते है। हैरानी की बात तो यह है इन्हीं पार्टियों के कथित धर्मनिरपेक्ष नेता जब दलबदल कर भाजपा में शामिल होते है तो भाजपा को देशभक्त पार्टी बताते देर नहीं लगते।

भारत की सियासत में लोग अपनी सुविधानुसार धर्मनिरपेक्षता यानि सेकुलरिज़म की व्याख्या करते है। वक्फ बिल पर धर्मनिरपेक्षता को लेकर देशभर में इस समय बवाल मचा हुआ है। नेतागण इस पर अपने अपने मतानुसार व्याख्या कर सियासत को गरमाये हुए है। वक्फ बिल पर बहस के दौरान केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रिजिजू ने कहा अल्पसंख्यकों के लिए भारत से ज्यादा सुरक्षित दुनिया में कोई जगह नहीं है और वे सुरक्षित हैं, क्योंकि बहुसंख्यक पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष हैं। वहीं विपक्ष ने भाजपा सरकार पर ध्रुवीकरण का आरोप जड़ते हुए इसे संविधान और धर्मनिरपेक्षता का विरोधी करार दिया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिल को पास कराने के साथ ही बीजेपी ने एक कदम से 6 निशाने साध लिए हैं। दरअसल, सेकुलरिज़म का चश्मा लंबे वक्त से बीजेपी और बीजेपी सरकार के फैसलों के खिलाफ पहनकर विपक्ष खुद को सेक्युलरिज्म का सियासी चैंपियन दिखाता रहा, लेकिन लोकसभा में वक्फ बिल पर बीजेपी ने वो बैटिंग की है, जिससे राजनीति के मैदान में फिलहाल ये साफ हो गया कि सेक्युलरिज्म की वो परिभाषा नहीं चलेगी, जो विपक्ष चाहता आया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ बिल को सामाजिक और आर्थिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इससे मुस्लिम महिलाओं, गरीब मुस्लिमों और पसमांदा समाज को फायदा होगा।

धर्मनिरपेक्षता के कथित ठेकेदार गाहे बगाहे भारतीय जनता पार्टी पर सांप्रदायिक होने का आरोप लगाकर खुद को सब से बड़ा धर्मनिरपेक्ष घोषित करते है। विशेषकर कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन की पार्टियां स्वयं को धर्मनिरपेक्षता का झंडाबरदार बताते है। हैरानी की बात तो यह है इन्हीं पार्टियों के कथित धर्मनिरपेक्ष नेता जब दलबदल कर भाजपा में शामिल होते है तो भाजपा को देशभक्त पार्टी बताते देर नहीं लगते। कांग्रेस के 12 पूर्व मुख्यमंत्री पार्टी का साथ छोड़ चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में विजय बहुगुणा, पेमा खांडू, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुनील जाखड़, आरपीएन सिंह, एसएम कृष्णा, किरण रेड्डी, अशोक चव्हाण, दिगंबर कामत, रवि नाइक, मिलिंद देवड़ा, जितिन प्रसाद, सुरेश पचौरी आदि नेताओं की एक लम्बी फेहरिस्त है। ये नेता साम्प्रदायिकता को लेकर भारतीय जनता पार्टी को पानी पी-पीकर कोसते थे और आज उसी साम्प्रदायिक पार्टी भाजपा में शामिल होकर देश प्रेमी बन गये।

राजीव गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद और नरसिंहराव के अवतरित होने पर सेक्युलरिज्म की चर्चा गर्म हुई और छूत, अछूत को लेकर दो धड़े बन गए। नेताओं ने अपनी सत्ता लिप्सा और स्वार्थ के चलते सेक्युलरिज्म अर्थात् साम्प्रदायिकता की हवा को तूफान में बदल डाला। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने साम्प्रदायिक शक्तियों का हवाला देते हुए जनता पार्टी (धर्मनिरपेक्ष) का गठन किया। भाजपा से दूर-दूर का वास्ता न रखने का आह्वान करने वाले मधु दंडवते और सुरेन्द्र मोहन जैसे अनेक समाजवादी भी इस दल में शामिल होगए। मगर यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि सेक्युलरिज्म की सबसे अधिक दुहाई देने और अपने दल का नाम जनता दल (धर्मनिरपेक्ष) रखने वाले लोगों ने ही सबसे पहले कथित साम्प्रदायिक शक्तियों से समझौता किया और कर्नाटक में भाजपा से मिलीजुली सरकार बनाई। सेक्युलरिज्म यहाँ दफन हो गया। साम्प्रदायिक शक्तियों का जोर-शोर से विरोध करने वाले और मौलाना मुलायम के नाम से मशहूर हुए समाजवादी सुप्रीमो ने सबसे पहले उस कल्याण सिंह को गले लगाया जो बाबरी मस्जिद को विध्वंस करने में सबसे आगे थे। इसी भांति कांग्रेस ने साम्प्रदायिकता का हौव्वा खड़ा कर भाजपा को बदनाम किया और इसी कांग्रेस ने अपने स्वार्थों के वशीभूत होकर सबसे पहले अपनी विचारधारा को त्यागा और आर.एस.एस. प्रचारक और भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह बघेला को गले लगाया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सेक्युलरिज्म के सबसे बड़े झण्डाबरदार रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव उनके सुशासन के बहुत बड़े प्रशंसक थे । नीतीश हाल ही चौथी बार भाजपा के साथ हुए है। जब भाजपा के साथ होते है तब सांप्रदायिक और इंडि गठबंधन के साथ आते ही सेक्युलर। रामविलास पासवान सोनिया गांधी के साथ थे तब अच्छे थे और भाजपा के साथ आते ही अछूत हो गये। फारूख अब्दुल्ला और उनके सुपुत्र भाजपा के साथ वर्षों सत्ता में भागीदार थे। तब भाजपा उन्हें साम्प्रदायिक नजर नहीं आई। केरल में मुस्लिम लीग कांग्रेस के साथ सत्ता के गठबंधन में शामिल है मगर साम्प्रदायिक नहीं है। जार्ज फर्नांडीस खालिस समाजवादी थे। कांग्रेस के घोर विरोधी थे मगर भाजपा के साथ आते ही उन्हें अछूत घोषित किया गया। ऐसे एक नहीं अनेक उदाहरण हैं। अब समय आ गया है देशवासियों को इस छद्म साम्प्रदायिकता पर विचार मंथन करना चाहिए और कथित सेक्युलरिज्म का भण्डाफोड़ करना चाहिए। गरीब की सेवा का व्रत लेने वाला राजनीतिक दल ही सच्चा और जनसेवी दल है और इस पर किसी प्रकार का वाद विवाद बेमानी है।

नजरिया

गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

ललित गर्ग

मो. 9811051133

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए?

वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते?

पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं।

अध्ययन में पता चला था कि लगभग सभी ब्रांडेड बोतल बंद पानी में भी प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण मौजूद हैं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग करते हैं। सरकारों के पास किसी भी नियम या अभियान को अमल में लाने के लिये सारे संसाधन उपलब्ध हैं, इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त भारत के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंदी सिनेमा के स्तंभ मनोज कुमार के निधन पर बालीवुड शोक में डूबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मशहूर अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर अभिनेता धर्मेंद्र, सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसी प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया। दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार (87) का वृद्धावस्था से जुड़ी समस्याओं के चलते मुंबई के कोकिलाबेन अंबानी अस्पताल में शुक्रवार तड़के 3.30 बजे निधन हो गया। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और उनकी पत्नी हेमा मालिनी ने कुमार को अपना करीबी मित्र बताया।

कुमार के अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर पहुंचे धर्मेंद्र ने कहा, वह मेरा जिगरी यार था... हमारी साथ में कई यादें हैं। हमने फिल्म उद्योग में अपने शुरुआती दिन साथ बिताए। हेमा मालिनी ने कहा, ''वह एक शानदार फिल्म निर्माता और मित्र थे।'' हेमा मालिनी ने कुमार के साथ 'क्रांति', 'दस नंबरी' और 'संतोष' जैसी फिल्मों में काम किया है। मालिनी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, वह अन्य निर्देशकों से अलग थे। मुझे उनके निधन पर गहरा दुख है। वह ऐसी फिल्में बनाते थे जिनमें देशभक्ति, रोमांस से लेकर पारिवारिक ड्रामा तक सब कुछ होता था। उन्होंने बहुत अच्छे गीत भी दिए। एक बयान में आमिर खान ने कुमार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मनोज कुमार की फिल्मों से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। खान ने कहा, मनोज कुमार सिर्फ एक अभिनेता या फिल्म निर्माता ही नहीं थे, बल्कि वह एक संस्था थे। मैंने उनकी फिल्में देखकर बहुत कुछ सीखा है।मैंने उनकी फिल्में देखकर काफी कुछ सीखा। उनकी फिल्में अक्सर महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर आधारित होती थीं, जो उन्हें आम आदमी के बहुत करीब लाती थीं। उनके

परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। सलमान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, मनोज कुमार जी... एक सच्चे दिग्गज। अविस्मरणीय फिल्मों और यादों के लिए धन्यवाद। कई देशभक्तिपूर्ण फिल्मों में अभिनय करने वाले अभिनेता अक्षय कुमार ने मनोज कुमार को फिल्म जगत की सबसे बड़ी पूंजी करार दिया। अभिनेता अक्षय ने दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मैं उनसे यह सीखते हुए बड़ा हुआ हूं कि देश के लिए प्यार और गर्व से बढ़कर कोई और भावना नहीं होती और अगर हम अभिनेता इस भावना को दिखाने के लिए आगे नहीं आएंगे, तो कौन आएगा? वह बहुत अच्छे इंसान थे और हमारे फिल्म जगत की सबसे बड़ी पूंजी थे। श्रद्धांजलि मनोज सर। ओम शांति। फिल्म अभिनेता अजय देवगन ने कहा कि मनोज कुमार की परिवार के जीवन विशेषकर फिल्मी सफर, में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मनोज कुमार ने उनके दिवंगत पिता वीरू देवगन को रोटी कपड़ा और मकान फिल्म में 'एक्शन निर्देशक' के तौर पर पहला मौका दिया था। वहां से, उनका सहयोग फिल्म 'क्रांति' तक जारी रहा। यह फिल्म अब भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम इतिहास का हिस्सा है। अजय देवगन ने कहा, मनोज जी की फिल्में 'उपकार', 'पूरब और पश्चिम', 'शोर', 'क्रांति' सिर्फ फिल्में नहीं थीं, ये राष्ट्रीय भावनाएं थीं। उनकी रचनात्मक प्रतिभा, अटूट देशभक्ति और कहानी को गहराई से कहने की क्षमता ने एक ऐसा मानक स्थापित किया है,

मनोज कुमार ने देशभक्ति पर आधारित फिल्मों के माध्यम से 'अमिट छाप' छोड़ी : आरएसएस

जिसकी बराबरी बहुत कम लोग कर पाए हैं।

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने देशभक्ति पर आधारित अपनी फिल्मों के माध्यम से एक ''अमिट छाप'' छोड़ी है। 'शहीद', 'उपकार' तथा 'पूरब और पश्चिम' जैसी देशभक्ति पर आधारित फिल्मों के लिए 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर हुए अभिनेता का शुक्रवार सुबह मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। आरएसएस के राष्ट्रीय मीडिया एवं प्रचार विभाग प्रमुख सुनील आंबेकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रसिद्ध अभिनेता पद्मश्री मनोज कुमार का निधन अत्यंत दुखद है। दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित मनोज कुमार ने कई देशभक्ति फिल्मों के माध्यम से अपनी अमिट छाप छोड़ी। देशभक्ति पर आधारित उनकी फिल्में हमेशा याद रखी जाएंगी। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से उनकी स्मृति में

नेचुरल स्टार नानी ने फिल्म 'द पैराडाइज' के लिये किया बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/एजेन्सी। नैचुरल स्टार नानी ने अपनी आगामी फिल्म द पैराडाइज के लिये जबरदस्त बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन किया है।

नानी ने एक इंटरव्यू के दौरान द पैराडाइज के लिए अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के अनुभव और सफर के बारे में बात करते कहा, ये एक अलग तरह की एनर्जी है, जिसे मैं समझने की कोशिश कर रहा हूं। श्रीकांत ओडेला एक बहुत ही समझदार इंसान हैं, जिनकी सोच एकदम अलग और ओरिजिनल है। जब वो कुछ ठान लेते हैं, तो उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह डटे रहते हैं। इसी तरह, उन्होंने मुझे भी बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए तैयार किया। पहले मुझे कभी नहीं लगा कि मेरी करियर के लिए इसकी जरूरत है। कई लोग मुझसे पूछते थे कि कब वर्कआउट करोगे, कब बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करोगे। लेकिन मैं हमेशा सोचता था कि क्या सच में इसकी जरूरत है। क्या ये ऑन-स्क्रीन ज़रूरी लगेगा? लेकिन श्रीकांत ने मुझसे कहा, 'नहीं, मुझे यही चाहिए।' और फिर मैं इस पर जुट गया।

नानी ने कहा, मुझे लगता है कि ऐसे लोगों का साथ होना ज़रूरी है, जो आपके अंदर की काबिलियत को आपसे भी ज्यादा पहचानें और आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। श्रीकांत ओडेला ने मेरे अंदर कुछ ऐसा देखा, जो शायद मैंने खुद नहीं देखा था, और उन्होंने मुझे इस बदलाव के लिए पुश किया। इस वक्त मुझे ठीक इसी तरह के इंसान की जरूरत थी, और वो एकदम सही समय पर आए, साथ में एक जबरदस्त आइडिया लेकर। हम जल्द ही शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

द पैराडाइज का निर्देशन श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं। द पैराडाइज़, नानी के साथ उनकी दूसरी फिल्म है। यह फिल्म एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बन रही है और इसका संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख से मुलाकात की और भूकंप सहायता की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

07

प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख से मुलाकात की, और भूकंप सहायता की पेशकश

बैंकाक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को म्यांमार की मौजूदा सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत हाल में आए भूकंप से तबाह पड़ोसी देश की और अधिक मदद करने को तैयार है। उन्होंने इसके साथ ही म्यांमार संघर्ष के समाधान के लिए विश्वसनीय और 'समावेशी चुनाव' पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय और तकनीकी सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) के नेताओं की शिखर बैठक से इतर म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख से मुलाकात की। यह प्रधानमंत्री मोदी की वरिष्ठ जनरल मिन के साथ पहली बातचीत थी, जो फरवरी 2021 में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई आंग सान सू की की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता में आए थे।

दोनों नेताओं की 35 मिनट की बैठक का

एक बड़ा हिस्सा ऑपरेशन 'ब्रह्मा' पर केंद्रित था, जिसे भारत ने 28 मार्च को म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए शुरू किया है। इस भूकंप में 3,100 से अधिक लोग मारे गए हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यहां संवाददाताओं को बताया, प्रधानमंत्री ने विश्वसनीय और समावेशी चुनावों सहित म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शीघ्र बहाली के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार के नेता से कहा कि भारत पूर्व की तरह विश्वास को बढ़ावा देने तथा शांतिपूर्ण, स्थिर और लोकतांत्रिक म्यांमार की दिशा में म्यांमार द्वारा और म्यांमार के नेतृत्व में किये जाने वाले ''बदलाव'' के सभी प्रयासों का समर्थन करेगा। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक म्यांमार में जारी जातीय हिंसा से मानवीय क्षति का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि इस संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी शांति केवल समावेशी वार्ता के जरिए ही प्राप्त की जा सकती है।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से मुलाकात की। हाल में आए भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर एक बार फिर संवेदना व्यक्त की। भारत इस कठिन समय में म्यांमार के अपने भाइयों और बहनों की सहायता के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, हमने भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय संबंधों, विशेषकर कनेक्टिविटी', क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचा विकास आदि क्षेत्रों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि वरिष्ठ जनरल ने राहत सहायता के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

दोनों नेताओं ने भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी समूहों की गतिविधियों, अंतरराष्ट्रीय अपराधों और सीमा पर मानव तस्करी के मामलों में सहयोग करने पर भी सहमति जताई। इस बैठक के दौरान म्यांमार के शासक ने 28 मार्च को आए भूकंप के तुरंत बाद भारत द्वारा भेजी गई सहायता की सराहना की। भारत ने मांडले में 'सैन्य फील्ड अस्पताल' बनाए हैं। म्यांमार प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी मांडले में भारत द्वारा स्थापित अस्पताल का दौरा किया।

'अदृश्यम 2 -द इनविज़िबल हीरोज' में दुर्गा की भूमिका के लिए पूजा गोर ने की खास तैयारी

मुंबई/एजेन्सी। अभिनेत्री पूजा गोर ने सोनी लिव के जासूसी थ्रिलर शो 'अदृश्यम 2 द इनविज़िबल हीरोज' के लिये खास तैयारी की। पूजा गोर ने अदृश्यम 2- द इनविज़िबल हीरोज में दुर्गा का किरदार निभाया है।पूजा गोर ने हाल ही में इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए अपनी तैयारी के अनुभव साझा किए।

पूजा ने बताया, एक्शन सीन मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था और इसमें सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक अनुशासन की भी सख्त जरूरत थी। मैंने हथियार चलाना सीखा, जो मज़ेदार तो था, लेकिन साँसों को नियंत्रित करना ऐसा पहलू था, जिसने मुझे चौंका दिया। जटिल दृश्यों में यह सबसे ज्यादा कारगर साबित हुआ। पूजा ने बताया,दुर्गा के किरदार में नैतिक उलझन है। वह न तो पूरी तरह अच्छी है और न ही बुरी ।उसकी रहस्यमयता मुझे आकर्षक लगी। इस किरदार को निभाने के लिए मैंने पहले उसकी आंतरिक दुनिया रची, उसके डर, विश्वास और अविश्वास को समझा। इसके बाद मैंने खुद को उसकी मानसिकता के हवाले कर दिया। शारीरिक ट्रेनिंग तो बाद में आई , असली तैयारी उसके भीतर की जिम्मेदारियों और मनोस्थिति को महसूस करना था।'अदृश्यम 2 द इनविज़िबल हीरोज' जासूसी थ्रिलर है, जो पहचान छुपाकर देश के लिए काम करने वाले जांबाज़ हीरोज की टीम पर आधारित है।

अमेरिकी समीक्षा के चलते श्रीलंका का 2028 तक बारूदी सुरंग मुक्त होने का लक्ष्य संकट में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

07

अमेरिकी समीक्षा के चलते श्रीलंका का 2028 तक बारूदी सुरंग मुक्त होने का लक्ष्य संकट में

मनकुलम (श्रीलंका)/एपी। थावराथनम पुष्पारानी ने दशकों से चले आ रहे अलगाववादी युद्ध में कभी श्रीलंका की सेना के खिलाफ तमिल विद्रोहियों के लिए अग्रिम मोर्चे पर लड़ाई लड़ी थी और बाद में उन्हीं युद्ध क्षेत्रों में उन्होंने, बिछाई गई बारूदी सुरंगों को साफ करने का काम किया। अब, अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा सहायता रोके जाने से श्रीलंका के बारूदी सुरंगों को हटाने का अभियान संकट में है जिससे पुष्पारानी जैसे हजारों लोगों की आजीविका पर अनिश्चितता छा गई है। श्रीलंका ने 2017 में ओटावा संधि की अभिपुष्टि की थी जिसके अनुसार, 2028 तक द्वीप राष्ट्र को बारूदी सुरंगों से मुक्त होना है।

पुष्पारानी के पति, पिता और दो भाई श्रीलंका के विद्रोही समूह लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम' (लिट्टे) के लिए लड़ते हुए मारे गए और दो अन्य भाई-बहन लापता हैं। पूर्वी श्रीलंका में जन्मी पुष्पारानी स्कूल में पढ़ रही थीं, तभी 1983 में बहुसंख्यक सिंहलियों ने अल्पसंख्यक तमिलों के खिलाफ देशव्यापी अभियान छेड़ा। तब उनके परिवार को देश के उत्तरी हिस्से में जाना पड़ा। सिंहलियों के अभियान से उद्वेलित कई तमिल युवा तमिलों के लिए एक स्वतंत्र

राज्य की लड़ाई की खातिर उग्रवादी संगठनों में शामिल हो गए। पुष्पारानी भी किशोरावस्था में ही लिट्टे में शामिल हो गईं। उन्होंने बताया चूंकि मेरा पूरा परिवार संगठन के साथ था, इसलिए उन्होंने ही मेरी शादी तय की। मेरी बड़ी बेटी का जन्म 1990 में और छोटी बेटी का जन्म 1992 में हुआ। मेरे पति 1996 में युद्ध में मारे गए और मेरे बच्चों का पालन-पोषण संगठन द्वारा संचालित 'सेनचोलाई' घर में हुआ। जब 2009 में लड़ाई समाप्त हुई तो वह अपने बच्चों से मिलीं और जीविका के लिए बारूदी सुरंग हटाने वाले समूहों के साथ काम करना शुरू कर दिया।

श्रीलंका में बारूदी सुरंग हटाने का अभियान संघर्ष विराम अवधि के दौरान 2002 में शुरू हुआ था और इस प्रयास का समर्थन करने वाले 11 देशों में अमेरिका सबसे बड़ा दानदाता रहा है। अमेरिका ने अब तक परियोजनाओं के लिए प्राप्त 25 करोड़ डॉलर के अनुदान में से लगभग 34% का योगदान दिया है। 'सरकारी नेशनल माइन एक्शन सेंटर' के निदेशक एम.एम. नईमुद्दीन के अनुसार, पिछले वर्ष प्राप्त अनुदानों में अमेरिका का योगदान 45% था। संघर्ष विराम के टूटने के कारण बारूदी सुरंगों को हटाने का अभियान कुछ वर्षों तक बाधित रहने के बावजूद जारी है। अब तक 20.5 लाख से अधिक हथियार, गोला-बारूद व बिना फटे आयुध को हटाया जा चुका है। 254 वर्ग कि.मी. भूमि से बारूदी सुरंग हटाई जानी थी और अब 23 वर्ग किलोमीटर भूमि ही बची है। 2028 की समय सीमा तक इसे हासिल किया जा सकता है या नहीं, यह निरंतर वित्त पोषण पर निर्भर करेगा।

राम नवमी के दिन रिलीज़ होगा राम चरण की फ़िल्म पेड्डी का फर्स्ट शॉट वीडियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/एजेन्सी। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' का फर्स्ट शॉट वीडियो रामनवमी के दिन 06 अप्रैल को रिलीज होगा।

फिल्म पेड्डी को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा को बुची बाबू सना निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में राम चरण के साथ जा वी कपूर लीड रोल में नजर आएंगी। अब मेकर्स ने फिल्म 'पेड्डी' के पहले शॉट

की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है, जिससे फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। फिल्म पेड्डी के पहले पोस्टर ने पहले ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था, और अब मेकर्स ने एक और धमाकेदार घोषणा की है। निर्देशक बुची बाबू सना ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि फिल्म का पहला शॉट वीडियो छह अप्रैल को राम नवमी पर रिलीज किया जाएगा। उन्होंने पोस्टर शेयर करते हुए लिखापेड्डी फर्स्ट शॉट, श्री राम नवमी के अवसर पर छह अप्रैल को फर्स्ट शॉट वीडियो जारी किया जाएगा। आपको उगादी की हार्दिक शुभकामनाएं। पेड्डी। फिल्म पेड्डी में प्रमुख भूमिकाओं में राम चरण, जान्हवी कपूर, शिवराजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा नजर आएंगे। इसे बुची बाबू सना ने लिखा और निर्देशित किया है, और मैत्री मूवी मेकर्स और सुकोमार राइटिंग्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और वृधि सिनेमा के बैनर तले निर्मित किया गया है।

भारतीय मूल की सिंगापुरी रंगोली कलाकार को पुरस्कार से नवाजा गया

सिंगापुर/भाषा। सिंगापुर में रहने वालीं भारतीय मूल की कलाकार विजयलक्ष्मी मोहन समेत पांच व्यक्तियों को अपने कौशल और परंपराओं को सिंगापुर के विभिन्न समुदायों व युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए सम्मानित किया गया है। संस्कृति, समुदाय एवं युवा मंत्री एडविन टोंग ने नेशनल गैलरी सिंगापुर में 'नेशनल हेरिटेज बोर्ड' (एनएचबी) के 'स्ट्यूवर्ड ऑफ इंटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज अवार्ड' के विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। एनएचबी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

तमिलनाडु के त्रिची से संबंध रखने वालीं 66 वर्षीय रंगोली कलाकार विजयलक्ष्मी ने पांच वर्ष की आयु में सममित (सिमेट्रिकल) और ज्यामितीय (ज्योमेट्रिकल) आकृतियों के साथ सजावटी डिजाइनों से युक्त भारतीय लोक फर्श कला की 5,000 वर्ष पुरानी शैली को अपनाया और रंगोली कलाकार बन गईं। तमिलनाडु के त्रिची में पली-बढ़ीं विजयलक्ष्मी ने अपनी मां से यह कला सीखी, जो हर सुबह उनके घर के दरवाजे पर रंगोली बनाती थीं। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' ने विजयलक्ष्मी के हवाले से कहा,

दक्षिण भारत में, हम 'कोलम' नामक एक सफेद रंग का डिजाइन बनाते हैं। हम गणितीय सिद्धांतों व ज्यामितीय डिजाइनों पर आधारित पैटर्न बनाते हैं। विजयलक्ष्मी 1992 में सिंगापुर आ गई थीं और 2005 में यहां की नागरिक बन गईं। हर सुबह 6:30 बजे, विजयलक्ष्मी अपने घर के दरवाजे के बाहर चावल के पाउडर से एक जटिल रंगोली बनाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 05-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बुलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं हूं: अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्य इकाई के अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं हैं, क्योंकि उनकी पार्टी में किसी प्रतिस्पर्धा की कोई गुंजाइश नहीं है और अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से होता है।

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए अन्नामलाई से जब पूछा गया कि क्या वह तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष पद की दौड़ में हैं तो उन्होंने कहा, मैं नए प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं हूं...

पूछा गया कि अटकले हैं कि अन्नाद्रमुक नेतृत्व 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के साथ गठबंधन करने के लिए उन्हें राज्य इकाई के अध्यक्ष पद से हटाना चाहता है, अन्नामलाई ने कहा कि वह कोई टिप्पणी करने के इच्छुक नहीं हैं। उन्होंने कहा, जहां तक मेरा सवाल है, भाजपा को आने वाले समय में अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, हम नए अध्यक्ष के चुनाव के समय इस बारे में बात करेंगे। अन्नामलाई ने कहा कि यह जल्द ही हो सकता है।

अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल न होने का कारण पूछे जाने पर अन्नामलाई ने कहा कि राज्य इकाई का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना जाता है और अन्य पार्टियों की तरह शीर्ष पद के लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती है। भाजपा नेता ने कहा, इसमें प्रतिस्पर्धा की गुंजाइश कहां है? और इसीलिए मैंने कहा कि मैं इस पद की दौड़ में नहीं हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता के रूप में उनका काम जारी रहेगा। अन्नामलाई ने जोर देकर कहा कि वह भ्रष्टाचार का विरोध करते हुए राजनीति में आए हैं और इस संबंध में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

वक्फ विधेयक के पारित होने का स्वागत करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि इससे गरीब मुसलमानों को लाभ होगा।

जैनदर्शन की साधना पद्धत्ति का सार है नवपद की ओली : आचार्यश्री विमलसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवकार महामंत्र दिवस आयोजन की रूपरेखा की हुई प्रस्तुति

बेंगलूरु। शुक्रवार को गविपुरम स्थित एक अपार्टमेंट के प्रांगण में आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि नवपद की ओली जैनदर्शन की साधना पद्धत्ति का सार है। यह नौ दिवसीय विशुद्ध आध्यात्मिक साधना प्रतिवर्ष चैत्र और आश्विन माह की नवरात्रि में प्रारंभ होती है, इसे शाश्वत माना गया है। हर कालखंड और हर तीर्थंकर के कार्यकाल में यही साधना जीवंत होती है। इन नौ पदों में अरिहंत और सिद्ध, ये दो देवतत्व परमात्मा हैं, आचार्य, उपाध्याय और साधु, ये तीन गुरुतत्व हैं तथा सम्यकदर्शन, सम्यकज्ञान, सम्यक् चारित्र और सम्यक् तप, ये चार धर्मतत्व हैं। इनमें से प्रारंभिक पांच पदों से नवकार मंत्र बना है। वर्तमान युग में जैन समाज में ऐसे सैकड़ों साधु-साध्वी और श्रावक-श्राविका मौजूद हैं, जो निरंतर पचास-पचपन वर्षों से रूखा-सूखा एक समय भोजन करते हुए आयंबिल की तपस्या कर नवपद की साधना कर रहे हैं। जिन्होंने इतने वर्षों से संपूर्ण रस का परित्याग कर अपनी वृत्तियों को नियंत्रित करने का पुरुषार्थ किया है, सचमुच ऐसी आत्माएं धन्य और पूजनीय हैं। भोगविलास और वासनाओं को त्यागकर, ब्रह्मचर्य की परिपालना करना नवपद की आराधना का मूल आधार है। देश-विदेश में चालीस हजार से अधिक स्थानों पर आज से आयंबिल की तपस्या प्रारंभ हो रही है। बाल, युवा, वृध्द, लाखों साधक इस आराधना में जुड़ते हैं। शुक्रवार को सुबह चामराजपेट से पदयात्रा करते हुए जैनाचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी, गणि पद्मविमलसागरजी आदि श्रमणजन शंकरपुरम स्थित सिमंधरस्वामी गृह जिनालय पहुंचे। वहां चतुर्विध श्रीसंघ ने सामूहिक चैत्यवंदना की । भंसाली भवन में गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि साधना-आराधना के बिना मनुष्य के मन को कभी शांति नहीं मिल सकती। अगर वस्तुओं और साधनों में ही सुख होता तो कभी कोई साधना नहीं करता।

इस मौके पर जीतो दक्षिण चैप्टर, खरतरगच्छ जैन संघ, वीवी पुरम संभवनाथ जिनालय के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे जिन्होंने 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले नवकार महामंत्र दिवस के वैश्विक कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया।

दुर्गा पूजा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्ना नगर स्थित उत्तर प्रदेश एसोसिएशन सभागार में चैत्र नवरात्र के मौके पर शुक्रवार को सप्तमी दुर्गा पाठ करते पंडित आचार्य राजेश कुमार मिश्रा। गौरतलब हैं कि चैत्र नवरात्र दुर्गा पूजा का आयोजन श्री त्यागी बाबा गौ सेवा संस्थान मिथिला धाम के द्वारा आयोजित किया गया है।

बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के सदस्य नवकार महामंत्र जाप अभियान में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एसपी रोड के बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा जीतो द्वारा विश्व कल्याण की भावना हेतु राष्ट्रव्यापी नवकार महामंत्र दिवस में सक्रिय भाग लेने के लिए अपने सदस्यों का पंजीकरण कराया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि जीतो से एक प्रतिनिधि मंडल ने एसोसिएशन कार्यालय में आकर सभी सदस्यों को आगामी 9 अप्रैल को सामूहिक नवकार महामंत्र जाप करने का आव्हान किया। जीतो प्रतिनिधि मंडल में जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, कैलाश संकलेचा, सज्जनराज मेहता, महेन्द्र रांका ने एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री अरुण लुणावत आदि के साथ अभियान का प्रचार किया।

विद्यार्थी परस्पर लड़ता नहीं बल्कि बढ़ता व बढाता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के काँधी गाँव में स्थित जूनियर सैकेंडरी स्कूल में बच्चों को संबोधित करते हुए युग प्रभावकाचार्य गुरुदेव श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वर जी म.सा.के सुशिष्य मुनि श्री डॉ. संयमरत्न विजय जी, मुनि श्री भुवनरत्न विजय जी ने कहा कि विद्या से विनय गुण प्राप्त होता हो, विनय गुण आने से पात्रता-योग्यता प्राप्त होती है, पात्रता-योग्यता आने पर धन की प्राप्ति होती है और धन को धर्म-परोपकार में लगाने से सुख की प्राप्ति होती है। मेहनत से ही हम हमारे भाग्य को बदल सकते है।मेहनत से ही ज्ञान रूपी दूध की प्राप्ति होती है और बिना मेहनत के तो दुर्गुण रूपी गोबर ही हाथ लगता है। पैर में मोच आने पर तो ठीक हो सकती है,लेकिन सोच में मोच आने पर वह कभी ठीक नहीं होती। चील ऊँचे आकाश में उड़ती तो है, लेकिन उसकी नजर मरे हुए चूहे पर होती है। अतः उच्च स्थान पर बैठने से कोई ऊँचा नहीं होता, बल्कि ऊँची सोच रखने से ही हम समूचे रूप से ऊँचे हो सकते हैं। विद्यार्थी वही है जो परस्पर प्रेम की भावना रखता है। विद्यार्थी का समय लड़ने-झगड़ने में नहीं, अपितु आगे बढ़ने व बढाने में जाना चाहिए। विद्यार्थी को आज का पढाया हुआ पाठ आज ही याद कर लेना चाहिए,कल के भरोसे नहीं टालना चाहिए। मुनि श्री के प्रवचनों से प्रभावित होकर स्कूल के प्रिंसिपल ने गुटखा का त्याग कर दिया। मुनिद्वय श्री ने सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों को आशीर्वाद स्वरूप पेन प्रदान किये। सभी बच्चों ने मुनिश्री से आशीर्वाद लेकर सही राह पर चलने का संकल्प लिया। मुनिद्वय ने आगे कानपुर की ओर विहार किया।

चेन्नई में नवकार महामंत्र जप का महाअनुष्ठान 9 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन) चेन्नई चैप्टर फाउंडेशन व जीतो चेन्नई प्लस फाउंडेशन के तत्वावधान एवं श्री तमिलनाडु जैन महामंडल चेन्नई व श्री जैन महासंघ चेन्नई के सहयोग से आगामी बुधवार को नवकार महामंत्र जप का महाअनुष्ठान आयोजित किया जाएगा। एक विश्व, एक मंत्र, शांति की भावना के साथ यह अनुष्ठान शेनॉयनगर स्थित सेंट जार्ज स्कूल ग्राउंड के विंग्स कंवेंशन सेंटर में प्रातः 7 बजे से 9.36 बजे तक होगा।

नवकार महामंत्र सबसे शक्तिशाली एवं पवित्र मंत्रों में से एक है जिसका जप अनादिकाल से निरंतर चल रहा है। इसे महामंत्र कहा जाता है क्योंकि इसके 68 अक्षरों में गहन आध्यात्मिक महत्व समाहित है। यह मंत्र किसी एक धर्म, जाति या व्यक्ति का नहीं है बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड के सर्वोच्च गुण धारकों को नमन करता हैं, जिससे आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होते हैं। विश्व कल्याण एवं शांति के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में सब धर्मों के धर्मगुरु, राजनेता, सेलेब्रिटी, फिल्मी हस्तियां एवं जाने माने खिलाड़ी भाग लेंगे। महाअनुष्ठान का यह आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष सहित 108 देशों में आयोजित किया जाएगा। नई दिल्ली में होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिरकत करेंगे। जीतो चेन्नई चैप्टर के चेयरमैन राजेश चंदन, संयोजक पंकज कांकरिया, जीतो चेन्नई प्लस के चेयरमैन प्रमोद चौरड़िया, संयोजक अरुण ओस्तवाल सहित अन्य सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं।

नेत्र परीक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चिकबल्लापुर के श्री महावीर जैन संघ चिकबल्लापुर एवं प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में 246वां नि:शुल्क नेत्र शिविर स्थानीय एसएस जैन भवन में सम्पन्न हुआ जिसमें 42 मरीजों का नेत्र परीक्षण हुआ और 31 मरीजों का डॉ नरपत सोलंकी द्वारा जैन मिशन अस्पताल में ऑपरेशन किया गया।

आयंबिल तप की महिमा अपार है : आचार्यश्री पार्श्वचन्द्र

महावीर धर्मशाला में शुरू हुई 9 दिवसीय आयंबिल तप आराधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आयंबिल तप की महिमा अपार है। आयंबिल आराधना पांचों इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने का बहुत आसान उपाय है। इससे इन्द्रिय विषयों पर विजय होने के साथ ही मन के विकारों पर भी नियंत्रण होता है। यह विचार वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में महावीर धर्मशाला में आयंबिल ओली तप आराधना शुभारंभ के अवसर पर जयगच्छाधिपति आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि काया और मन के साथ ही वाणी पर भी संयम होना आवश्यक है। जो व्यक्ति वाणी पर संयम रखता है वह जीवन अनेक समस्याओं से बच सकता है। सभा में 100 से भी अधिक तपस्वियों ने आचार्यश्री से आयंबिल तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। जयधुरंधर मुनिजी ने आयंबिल तप का भावपूर्ण वर्णन किया। जयपुरन्दर मुनिजी ने काव्यमय रूप में श्रीपाल चरित्र का वर्णन करते हुए अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, ज्ञान, दर्शन, चरित्र, एवं तप इन नव पद की सम्यक आराधना को सर्व सिद्धियां प्राप्त करने की साधना बताते हुए 9 दिवसीय आयंबिल ओली का महत्व पर प्रकाश डाला। बेंगलूरु सेंट्रल संघ के अध्यक्ष अशोककुमार रांका ने सभी का स्वागत करते हुए आचार्यश्री का आभार व्यक्त किया कि जिन्होंने संघ के निवेदन को स्वीकार करके आयंबिल ओली नवपद तप आराधना हेतु अपना सान्निध्य प्रदान किया। संघ के मंत्री महेंद्र मुणोत (केजीएफ) ने सभा का संचालन किया। इस अवसर पर जीतो के पदाधिकारीगण उपस्थित हुए और उन्होंने संतों के सान्निध्य में 9 अप्रैल को महावीर धर्मशाला में भी आयोजित किए जाने वाले विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर सामूहिक नवकार जाप के बैनर का अनावरण किया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय जयमल जैन श्रावक संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवंतमल नाहर, विल्सनगार्डन संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु के मंत्री सुरेंद्रकुमार बेताला, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कर्नाटक प्रदेश के महासचिव इन्द्रकुमार नाहर आदि उपस्थित थे।

संशोधित मल्टी विसरल आंत ट्रांसप्लांट में डॉक्टरों को मिली कामयाबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमजीएम हेल्थ केयर के डॉक्टरों ने दुर्लभ आंत संबंधी विकार के लिए संशोधित मल्टी विसरल आंत ट्रांसप्लांट (एमएमबीटी) के उपचार करने में सफलता प्राप्त की है जिससे केरल के रहने वाले 32 वर्षीय मरीज की जान बच गई, मरीज खूनी दस्त हीमोग्लोबिन के स्तर में भारी गिरावट तथा कुपोषण के कारण बार-बार होने वाले संक्रमण और पेट सूजन के कारण असहनीय दर्द से पीड़ित था। संशोधित मल्टी विसरल ट्रांसप्लांट करने से पहले डॉक्टरों की एक टीम ने मरीज को स्थिर करने के लिए कई महत्वपूर्ण जांचें की।

डाक्टरों ने मरीज के डिफ्यूज प्राइमरी इंटेस्टाइनल लिम्फैंगियोमा के कारण गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव की गंभीरता को देखते हुए इमरजेंट सबटोटल एंटरेक्टोमी की जिससे रक्तस्राव को नियंत्रित करने के लिए रोग ग्रस्त आंत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया गया।

इस जटिल प्रक्रिया का नेतृत्व इंस्टिट्यूट ऑफ़ मल्टी विसरल एंड एब्डोमिनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ अनिल वैद्य ने किया साथी डॉक्टरो में डॉक्टर सेंथिल मुथुरामन सीनियर कंसल्टेंट मल्टी विसरल एंड एब्डोमिनल ऑर्गन ट्रांसप्लांट और डॉ शिवकुमार महालिंगम सीनियर कंसल्टेंट सर्जिकल ऑंकोलॉजिस्ट डॉ वेंकटेश बीएस तथा एमजीएम हेल्थ केयर में मल्टी विसरल ट्रांसप्लांट प्रोग्राम के कंसल्टेंट भी शामिल रहे।

डॉ अनिल वैद्य ने इस प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि मरीज बीमारी से अत्यंत पीड़ित था उसकी छोटी आंत का व्यापक हिस्सा पूरी तरह से डैमेज था जिसमें पारंपरिक सर्जिकल विकल्प अप्रभावी था मरीज की स्थिति को देखते हुए उसके पाचन क्रिया और समग्र स्वास्थ्य को बहाल करने के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण की आवश्यकता थी जिसके लिए हमारी टीम ने पेट की अग्राशय ग्रहणी परिसर छोटी आंत और बड़ी आंत को बदलने के लिए एक संशोधित मल्टी विसरल ट्रांसप्लांट के साथ आगे बढ़ने का फैसला लिया। उन्होंने बताया कि यह दुर्लभ आंत ट्रांसप्लांट पूरी तरह से सफल रहा मरीज अब ग्राफ्ट अस्वीकृति या बड़ी जटिलताओं के किसी भी लक्षण के बिना सामान्य जीवन जीने के लिए तैयार हो चुका है।

कर्म शत्रुओं का नाश करने वाले होते हैं अरिहंत : मलयप्रभसागर

नवपद ओली आराधना का पहला दिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने शाश्वती नवपद की ओली के प्रथम दिवस पर अपने प्रवचन में कहा कि अगर अरिहंत नहीं होते तो करुणा का इतना प्रचार नहीं होता, हमें धर्म का ज्ञान नहीं होता और शासन की स्थापना नहीं होती। अरिहंत पद केन्द्र बिन्दु हैं। नवपद में देव, गुरु, धर्म की आराधना की गई है। इसे साध्य, साधक और साधन से भी समझ सकते हैं। हमारे साध्य अरिहंत और सिद्ध हैं।

आचार्य, उपाध्याय और साधु साधक हैं। सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान और सम्यक चारित्र और तप साधन हैं। शक्रस्तव अथवा नमोत्थुणं सूत्र में अरिहंतों की उपासना की गई है। इसमें अरिहंत परमात्मा के अनेक विशेषणों से स्तुति की गई है। अरिहंत स्वरूप का ध्यान करते हुए हमें अरिहंत में एकाकार बनना है, जिन्होंने राग, द्वेष रूपी शत्रुओं को जीत लिया है वही अरिहंत हैं। अरिहन्तों का पुण्य प्रचंड होता है। जैन जगत में नवपद की महिमा अपरंपार है। नवपद यानी अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, दर्शन, ज्ञान, चारित्र और तप। नवपद आराधना के प्रथम पद में अरिहंत पद की आराधना की जाती है, अरि यानी शत्रु और हंत यानी नाश करने वाले मतलब शत्रुओं का नाश करने वाले अरिहंत कहलाते हैं। अरिहन्त अपने कर्म रूपी शत्रु का नाश करते हैं। जगत में पूजनीय, वंदनीय, सेवनीय और तारने वाले ये अरिहंत ही उत्तम आत्मा है।

नवकार दिवस प्रचार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, केआर पुरम-राममूर्तिनगर द्वारा बेंगलूरु में जीतो द्वारा 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले नवकार महामंत्र दिवस के लिए प्रचार प्रसार किया तथा स्थानक में पंजीकरण का कार्य किया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष मोतीलाल लोढ़ा, मंत्री रिखबचंद मेहता, उपाध्यक्ष सुखराज डोसी, अशोक तातेड़ आदि ने उपस्थित होकर 210 लोगों का पंजीकरण करवाया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.